॥ श्री गणेशाय नमः॥ ॐ वक्र तुण्ड महाकाय, कोटि सूर्य सम प्रभः। निर्विघ्नं कुरू मे देव सर्व कार्येषु सर्वदाः ॥

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादक: अशोक अग्रवाल
कापी राईट नं. L-123018/2023
सरकारी छुट्टियों सहित
प्रकाशक : किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

(11 पौष से 11 माघ शाक: 1945)
(18 जमादिउलसानि से 19 रज्जब हिजरी सन् 1445)

जनवरी 2024

(पौष कृष्ण ५ से माघ कृष्ण ५ तक)
(विक्रम संवत् २०८०, शिशिर ऋतु, सूर्य उत्तरायणे)

						ता. याददास्ती
रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	शुभ विवाह मुहूर्त 16,18,20,21,22,30,31 (विवाह मुहूर्त का विस्तृत विवरण सितबर माह के पीछे देखें) उपनयन (जनेऊ) मुहूर्त 21, 22, 26, 31 जनवरी गृहारभ (नींव) मुहूर्त 25, 26, 31 जनवरी	२२ विशाखा 22-08 वृश्चिक चन्द्र 16-02 राजयोग24-46से सफला एका. व्रत अन्नपूर्णा व्रत पू. **7** ११ पौष कृष्ण एकादशी	४ धनिष्ठा 10-22 व्यतिपात पुण्य राजयोग, रवियोग, पंचक मकर संक्रांति भद्रा 18-28 से 28-59 तक **14** भोगी(द.भा.)३-४ विनायक चतुर्थी	११ रोहिणी 27-52 रोहिणी व्रत (जैन) उर्स मेला पू.(अज.) राजयोग 27-52 से भद्रा 7-24से 19-27 तक भा. माघ प्र. **21** मन्वादि ११ पुत्रदा एकादशी व्रत	१८ मघा 15-53 लाला लाजपतराय ज. यमघंट 15-53 तक सौभाग्य सुन्दरी व्रत भद्रा 16-52 से 30-11 तक **28** राजयोग ३ माघ कृष्ण तृतीया	1...... 2...... 3...... 4...... 5......
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	१८ मघा 8-36 कुमारयोग 8-36 तक नव वर्ष दिवस **1** ५ पौष कृष्ण पंचमी	२५ अनुराधा 22-03 सर्वार्थसिद्धियोग 22-03 तक **8** १२ पौष कृष्ण द्वादशी	३ शतभिषा 8-07 पूर्वाभाद्र 30-10 मीन चन्द्र 24-37 माघ बिहु (आसाम) पंचक गंगा सागर मे स्नान पोंगल **15** थल सेना दि. ५ मकर सक्रां.पु.काल	१० मृगशिर 28-58 रवियोग28-58से मिथुन चन्द्र 16-22 त्रिपुष्कर7-20तक अमृतसर्वार्थसिद्धियोग 28-58 तक **22** १२ पौष शुक्ल द्वादशी	१८ पूर्वाफाल्गुन 18-57 चंद्रोदय 21-18 कन्या चन्द्र 25-44 तिलकुट चौथ व्रत **29** संकष्ट चौथ ४ माघ कृष्ण चतुर्थी	6...... 7...... 8...... 9...... 10......
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	१९ पूर्वाफाल्गुन 11-42 रवियोग11-42से कन्या चन्द्र 18-29 त्रिपुष्कर17-11से भद्रा 17-11 से 30-31 तक **2** ६ पौष कृष्ण छठ	२६ ज्येष्ठा 21-11 भौम प्रदोष व्रत धनु चन्द्र 21-11 प्रवासी भारतीय दि. श्री पद्मप्रभु ज. (जैन) भद्रा 22-25 से **9** १३ मासशिवरात्रि पौष कृष्ण त्रयोदशी	४ उत्तराभाद्र 28-38 अनुरूपा छठ(बं.) राजयोग 23-58 से सर्वार्थसिद्धियोग रवियोग 28-38 तक **16** पंचक ६ पौष शुक्ल छठ	११ आर्द्रा 30-26 रवियोग30-26तक यमघंट 30-26तक ने.सुभाष चंद्र बोस ज. **23** भौम प्रदोष व्रत १३ पौष शुक्ल त्रयोदशी	१८ उत्तराफाल्गुन 22-06 कुमारयोग22-06 तक मे.मस्तुआणां प्रा.(पं.) म.गांधी शहीद दि. **30** कुष्ठ निवारण दि. ४ माघ कृष्ण चतुर्थी	11...... 12...... 13...... 14...... 15...... 16......
बुधवार Wednesday बुध	२० उत्तराफाल्गुन 14-46 रवियोग14-46तक सर्वार्थसिद्धियोग 14-46 से **3** ७ पौष कृष्ण सप्तमी	२८ मूल 19-40 विश्व हिन्दी दिवस यमघंट 19-40 तक भद्रा 9-22 तक **10** १४ पौष कृष्ण चतुर्दशी	५ रेवती 27-33 पंचक 27-33 तक मेष चन्द्र 27-33 गु.गोविंद सिंह ज. भद्रा 22-07 से **17** ७ पौष शुक्ल सप्तमी	१२ पुनर्वसु 32-16 रवियोग22-30से कर्क चन्द्र 25-47 राष्ट्रीय बालिका दि. भद्रा 21-50 से **24** वैधृति पुण्यं १४ पौष शुक्ल चतुर्दशी	१९ हस्त 25-08 रवियोग 25-08 से कुमारयोग 25-08 तक हरिराय ज. **31** सर्वार्थसिद्धियोग ५ माघ कृष्ण पंचमी	17...... 18...... 19...... 20...... 21...... 22......
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	२१ हस्त 17-33 तुला चन्द्र 30-46 जिन सागर सू. दि. (जैन) **4** कालाष्टमी ८ पौष कृष्ण अष्टमी	२८ पूर्वाषाढ 17-39 देवपितृकार्य अमा. मकर चन्द्र 23-05 कालवा डूंगरी यात्रा (मुंबई) लाल बहादुर शास्त्री पु.दि. **11** बकुला अमा. ३० पौष कृष्ण अमावस्या	७ अश्विनी 26-58 रवियोग 26-58 से शाकम्भरी नवरात्र प्रा. सर्वार्थसिद्धियोग भद्रा 9-22 तक **18** दुर्गाष्टमी ८ पौष शुक्ल अष्टमी	१३ पुनर्वसु 8-16 गुरु पुष्य योग रवियोग8-16तक माघ स्नान प्रा. पौषी सत्यव्रत पूर्णिमा भद्रा 10-34 तक **25** सत्यव्रत शाकम्भरी पू. १५ हजरत अली जन्मदिन	गृह प्रवेश मुहूर्त 25, 26, 31 जनवरी व्यापार प्रारंभ मुहूर्त 17,18,21,22,25,26,31 देव प्रतिष्ठा मुहूर्त 18,20,21,24,25,26,29, 30,31 जनवरी प्रसूति स्नान मुहूर्त 12, 21 जनवरी	23...... 24...... 25...... 26...... 27...... 28......
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	२२ चित्रा 19-49 **5** ९ पौष कृष्ण नवमी	२९ उत्तराषाढ 15-18 रा.युवा दि. सर्वार्थसिद्धियोग 15-18 से स्वा.विवेकानंद ज. **12** चंद्रदर्शन १ पौष शुक्ल प्रतिपदा	८ भरणी 26-50 रवियोग श्री हरि जयंती **19** ९ पौष शुक्ल नवमी	१४ पुष्य 10-28 फ्लोटिंग फेस्टिवल भारतीय गणतंत्र दि. **26** १ माघ कृष्ण प्रतिपदा	नोट- आजकल कागज की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि हो जाने से नई पीढ़ी पुरातन परंपरा से दूर न हो इसे ध्यान में रखते हुए हमने एक नया	29...... 30...... 31......
शनिवार Saturday शनीचर	२३ स्वाति 21-23 सर्वार्थसिद्धियोग श्री पार्श्वनाथ ज. (जैन) भद्रा 12-20 से 24-42 तक **6** १० पौष कृष्ण दशमी	१ श्रवण 12-49 लोहड़ी (काश्मीर) पंचक 23-35 से उर्स मेला प्रा.(अजमेर) कुम्भ चन्द्र 23-35 **13** द्वि.शनिवार २ पौष शुक्ल द्वितीया	८ कृतिका 27-09 रवियोग27-09तक वृष चन्द्र 8-52 अमृतसर्वार्थसिद्धियोग सूर्य पूजा(उ.) **20** शाम्ब दशमी १० पौष शुक्ल दशमी	१५ अश्लेषा 13-01 सिंह चन्द्र 13-01 विश्व कुष्ठ दिवस **27** २ माघ कृष्ण द्वितीया	"सवाई जयपुर पंचांग" जिसमें अति आवश्यक जानकारी को कम पृष्ठों व कम कीमत में हमारे द्वारा प्रकाशित कर सर्वत्र उपलब्ध करवाने का प्रयास किया गया है। छपा मूल्य 75 रु	दुकान की छुट्टी व समय छूट 14. रवि- मकर संक्रांति 13. से 21. मे. उर्स (अजमेर) 26. शुक्र- गणतन्त्र दिवस आवश्यक सूचना- यह किशोर जंत्री पंचांग भारत सरकार द्वारा कॉपी राइट नंबर L-123018/2023 से रजिस्टर्ड है, अतः इसकी या इसके किसी भी अंश की PDF बनाना या नकल करना गैर कानूनी है।

नोट: कृपया सही जानकारी के लिए किशोर जंत्री (पंचांग) ही खरीदें, मिलते-जुलते नाम से बचें - सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

राजस्थान सरकार की छुट्टियाँ	राजस्थान में बैंक की छुट्टियाँ	हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियाँ	शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ	भारत सरकार की छुट्टियाँ
1. नव वर्ष दिवस (ऐच्छिक) 6. पार्श्वनाथ जयंती (ऐच्छिक) 13. लोहड़ी (ऐच्छिक) 17. गुरू गोविन्द सिंह जयन्ती 26. गणतंत्र दिवस	26. गणतंत्र दिवस	1. नव वर्ष दिवस (ऐच्छिक) 6. पार्श्वनाथ ज. (ऐ.) 13. लोहड़ी (ऐ.) 17. गुरू गोविन्द सिंह जयन्ती 26. गणतन्त्र दिवस	1. से 5. शीतकालीन अवकाश 12. स्वामी विवेकानन्द ज.(उत्सव) 15. मकर संक्रांति (उत्सव) 17. गुरू गोविन्द सिंह ज.(अव., उ.) 23. नेताजी सुभाष जयंती (उत्सव) 24. राष्ट्रीय बालिका दिवस (उत्सव) 26. गणतंत्र दिवस (उत्सव, अव.) 30.महात्मा गांधी शहीद दिवस (प्रातः11 बजे 2 मि.का मौन)	1. नव वर्ष दिवस (ऐच्छिक) 13. लोहड़ी (ऐच्छिक) 14. मकर संक्रांति (ऐच्छिक) 15. पोंगल/माघ बिहु (ऐच्छिक) 17. गुरू गोविन्द सिंह ज.(ऐच्छिक) 25. हजरत अली जन्मदिन (ऐच्छिक) 26. गणतंत्र दिवस

संपूर्ण भारत में समय गणना
अर्द्धरात्रि 0 से 12 बजे बाद 13 से 24 तक, 24 घंटा से अधिक होने पर 24 घंटा कम करके अगले दिन का समय जानें।

नोट- राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक शनिवार व अन्य घोषित किये गये अवकाशों के लिये विभाग, विभागीय गजट से मिलान कर आवश्यकतानुसार संशोधन कर लेवें। माह के द्वितीय व चतुर्थ शनिवार को सिविल कोर्ट व बैंक में अवकाश रहेगा।

विशेष सूचना :-" श्री जयमार्तण्ड पंचांग" जिसमें सभी प्रकार के विस्तृत आवश्यक मुहूर्त वार्षिक तथा (विवाह मुहूर्त 2 वर्ष के), दैनिक ग्रह स्पष्ट, दैनिक लग्न सारिणी, दिन के श्रेष्ठ चौघड़ियों का समय, वार्षिक राशिफल एवं विविध जनोपयोगी जानकारी के साथ भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त वेध सिद्ध दृश्य गणित से हमारे द्वारा प्रकाशित होकर सर्वत्र उपलब्ध है।

नव वर्ष शुभ एवं समृद्धि कारक हो
HAPPY NEW YEAR

अधिकृत थोक विक्रेता :- ईश्वर लाल बुकसेलर
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोन 0141-2575532
प्रकाशक - किशोरी शरण एण्ड संस

श्री गणेश जी का जप मंत्र :- ॐ गं गणपतये नमः ।। (इस मंत्र के जप करने से सर्व विघ्न कष्ट दूर होकर सुख सम्पत्ति की वृद्धि होती है। यह बड़ा ही चमत्कारी मंत्र है।)

किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिये प्रकाशक/संपादक किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं है, स्वविवेक से निर्णय लें।
मूल्य 20 रुपया मात्र

Onlinedekho.org

॥ श्री गणेशाय नमः॥ ॐ वक्र तुण्ड महाकाय, कोटि सूर्य सम प्रभः। निर्विघ्नं कुरू मे देव सर्व कार्येषु सर्वदाः ॥

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादक: अशोक अग्रवाल
काफी राईट नं. L-123018/2023
प्रकाशक: किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

सरकारी छुट्टियों सहित

(12 माघ से 10 फाल्गुन शाक: 1945)
(20 रज्जब से 18 सावान हिजरी सन् 1445)

फरवरी 2024

(माघ कृष्ण ६ से फाल्गुन कृष्ण ५ तक)
(वि.सं.२०८०, शिशिर-बसंत ऋतु, सूर्य उत्तरायणे)

वार						ता. याद्दास्ती
रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	देखने की विधि प्रत्येक दिन ऊपर की लाईन में नक्षत्र का नाम व समाप्ति काल स्टै.टा. में लिखा गया है। जैसे 7 फरवरी को पूर्वाषाढ नक्षत्र 28-37 अर्थात् 8 फरवरी को प्रातः 4 बजकर 37 मिनट तक है, उसके बाद उत्तराषाढ नक्षत्र	२३ विशाखा 7-20 विश्व कैंसर दिवस **4** ९ भद्रा 29-44 से माघ कृष्ण नवमी	३० शतभिषा 17-39 उत्तर श्रृंगोन्नति त्रिपुष्कर 17-39से चंद्रदर्शन **11** २ पंचक विश्व विवाह दिवस माघ शुक्ल द्वितीया	८ रोहिणी 9-22 गुप्त नवरात्रा पू. मिथुन चंद्र 21-54 रोहिणी व्रत(जैन) **18** ९ पशु मेला पू.(नागौर) श्री हरि ज., रवियोग महानंदा नवमी माघ शु. नवमी(8-16)	१५ पूर्वाफाल्गुन 25-24 राजयोग 20-36 से त्रिपुष्कर 25-24 से **25** १ सर्वार्थसिद्धियोग 25-24 से शब ए बारात(मु.) फाल्गुन कृष्ण प्रतिपदा	1 ... 2 ... 3 ... 4 ...
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	प्रारंभ होकर 9 फरवरी को प्रातः 2-14 तक रहेगा। जिस दिन चंद्रमा अपनी राशि बदलता है, उसका नाम व प्रवेश समय बार्यी ओर लिखा है। जैसे 8 फरवरी को मकर चंद्र 10-04 अर्थात् प्रातः 10 बजकर 04 मिनट से प्रारंभ होगा। इससे पूर्व धनु का चंद्रमा जानना	२४ अनुराधा 7-54 सर्वार्थसिद्धियोग 7-54 तक **5** १० भद्रा 17-25 तक माघ कृष्ण दशमी	१ पूर्वभाद्र 14-56 रवियोग 14-56से वरद, तिल, कुंद चौथ मीन चन्द्र 9-35 पंचक **12** ३ भद्रा 28-10 से गौरी तृतीया व्रत मु. सावान प्रा. माघ शुक्ल तृतीया	९ मृगशिर 10-33 गुप्त नवरात्रोत्थापन रवियोग 10-33 तक **19** १० भद्रा 21-20 से बसंत ऋतु प्रा. मु. अजितनाथ, शिवाजी ज. माघ शुक्ल दशमी	१६ उत्तराफाल्गुन 28-31 कन्या चन्द्र 8-11 **26** २ सावरकर पु. ति. फाल्गुन कृष्ण द्वितीया	5 ... 6 ... 7 ... 8 ... 9 ... 10 ...
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	चाहिए। इसी प्रकार जिस दिन भद्रा होती है उस दिन दाहिनी ओर भद्रा भारतीय स्टै. टाईम में दिया गया है। शुभ विवाह मुहूर्त 1,4,6,12,14,17,18,19,28 उपनयन (जनेऊ) मुहूर्त 14,19,20,21,25,27 फरवरी	२५ ज्येष्ठा 7-35 मूल 30-27 धनु चन्द्र 7-35 अमृतसर्वार्थसिद्धि **6** ११ षट्तिला एका. व्रत त्रिपुष्कर 30-27 तक राजयोग माघ कृष्ण एकादशी	२ उत्तराभाद्र 12-35 रवियोग 12-35तक पंचक भद्रा 14-42तक अंगारक विनायक चतुर्थी **13** ४ कुंभ संक्रांति माघ शु. चतुर्थी(14-42)	१० आर्द्रा 12-13 जया एका. व्रत रवियोग 12-13 तक त्रिपुष्कर **20** ११ भद्रा 9-56 तक भीमी एका. रा. फाल्गुन प्रा. मे. वेणेश्वरधाम(डूंगरपुर)	१७ हस्त 31-33 **27** ३ भद्रा 12-36 से 25-53 तक फाल्गुन कृष्ण तृतीया	11 ... 12 ... 13 ... 14 ... 15 ...
बुधवार Wednesday बुध	गृहारंभ (नींव) मुहूर्त 1,14,15,19,22 फरवरी देव प्रतिष्ठा मुहूर्त 1,4,10,14,15,16,17,18, 19,21,22,28 फरवरी गृह प्रवेश मुहूर्त 1,5,7,8,10,12,14,15,19, 21,22,28,29 फरवरी	२६ पूर्वाषाढ 28-37 राजयोग 14-02तक प्रदोष व्रत **7** १२ मु. शीतलनाथ ज.(जैन) माघ कृष्ण द्वादशी	३ रेवती 10-43 सेंट वेलेंटाइन डे पंचक 10-43 तक मेष चन्द्र 10-43 **14** ५ श्री बसंत पंचमी वागीश्वरी ज., तक्षक पू. रतिकाम महोत्सव माघ शु. पंचमी(12-10)	११ पुनर्वसु 14-17 कर्क चन्द्र 7-44 **21** १२ प्रदोष व्रत विश्व मातृभाषा दि. माघ शुक्ल द्वादशी	१८ हस्त 7-33 चंद्रोदय 21-47 तुला चन्द्र 21-00 सर्वार्थसिद्धियोग **28** ४ चतुर्थी व्रत रा. विज्ञान दि. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पु. ति. फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी	16 ... 17 ... 18 ... 19 ... 20 ...
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	२० चित्रा 27-49 रवियोग 27-49तक तुला चंद्र 14-32 मे. मस्तुआणां पु.(पं.) **1** ६ भद्रा 14-04 से 27-08 तक भार. तटरक्षक दि. माघ कृष्ण छठ	२८ उत्तराषाढ 26-14 शब्बे मिराज(मु.) मकर चन्द्र 10-04 मेरु त्रयोदशी (जैन) **8** १३ भद्रा 11-17 से 21-43 तक आदिनाथ निर्वाण दि. मास शिवरात्रि रटन्ती कालिका पू.	५ अश्विनी 9-26 रवियोग 9-26 तक शीतला षष्ठी(बं.) सर्वार्थसिद्धियोग **15** ६ शनि अस्त पशु मेला प्रा. 4दिन(नागौर) विश्वेश्वरानंद ज. माघ शु. छठ(10-13)	१२ पुष्य 16-43 गुरू पुष्य योग **22** १३ ललिता ज. गु. गोरखनाथ ज. मरु महोत्सव 3दिन(जैस.) माघ शुक्ल त्रयोदशी	१९ चित्रा 10-22 **29** ५ फाल्गुन कृष्ण पंचमी	21 ... 22 ... 23 ... 24 ... 25 ... 26 ...
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	२१ स्वाति 29-57 दस्तकार दिवस श्री रामानंदाचार्य ज. **2** ७ कालाष्टमी स्वामी विवेकानंद ज. माघ कृष्ण सप्तमी	२९ श्रवण 23-29 व्यतिपात पुण्यं महोदय पर्व 8-03 सर्वार्थसिद्धियोग 23-29 तक **9** १४-३० द्वापर युगादि मे. प्रयागराज(हरिद्वार) देवपितृकार्य, मौनी अमा.	७ भरणी 8-46 मर्यादा महोत्सव(जैन) वृष चन्द्र 14-43 **16** ७ भीष्माष्टमी अरूणोदय स्नान भद्रा 8-55से20-31तक रथ सप्तमी(उ.) देवनारायण, नवल मात्रग ज.	१४ अश्लेषा 19-25 गाडगे महाराज ज. सिंह चन्द्र 19-25 **23** १४ भद्रा 15-34से28-46तक स्वा. रामचरण ज. अग्नि उत्सव(उ.) माघ शुक्ल चतुर्दशी	व्यापार प्रारंभ मुहूर्त 1,4,8,12,14,15,19,21, 22,26,29 फरवरी प्रसूति स्नान मुहूर्त 5,11,15,19,20,26 फरवरी	27 ... 28 ... 29 ... स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त 14. बुध- बसन्त पंचमी
शनिवार Saturday शनीचर	२२ विशाखा 31-20 वृश्चिक चंद्र 25-04 **3** ८ माघ कृष्ण अष्टमी	३० धनिष्ठा 20-34 माघ शुक्लादि कुंभ चन्द्र 10-02 पंचक 10-02 से **10** १ द्वि. शनिवार गुप्त नवरात्रा प्रा. श्री वल्लभ ज. माघ शुक्ल प्रतिपदा	६ कृत्तिका 8-46 रवियोग 8-46 से अमृतसर्वार्थसिद्धियोग 8-46 से **17** ८ दुर्गाष्टमी माघ शु. अष्टमी(8-16)	१५ मघा 22-20 होलिका रोपण माघ स्नान पू. **24** १५ सत्यव्रत, माधी पू. मरू महोत्सव स.(जैसल.) मे. बेणेश्वरधाम पू.(डूंगर.)	अंग फड़कने का फल पुरूष का दाहिना अंग तथा स्त्री का बायां अंग फड़कने अथवा खुजली चलने पर लाभ, पैर में खुजली चले तो यात्रा शुभ होती है। किंतु यदि पुरूष का बायां व स्त्री का दाहिना अंग फड़के तो अशुभ होता है।	ऐच्छिक अवकाशः- ऐच्छिक अवकाश के दिन कार्यालयों में नियमित कार्य दिवस होता है। प्रत्येक कर्मचारी पूरे वर्ष में कोई भी दो ऐच्छिक अवकाश ले सकता है। थोड़ा पढ़ना, अधिक विचारना, थोड़ा बोलना, अधिक सुनना। यही बुद्धिमान बनने के उपाय है।

राजस्थान सरकार की छुट्टियाँ

16. देव नारायण जयंती
22. विश्वकर्मा जयन्ती (ऐच्छिक)
23. स्वामी रामचरण जयन्ती (ऐ.)
23. गाडगे महाराज जयंती (ऐच्छिक)
24. गुरू रविदास जयंती (ऐच्छिक)
25. शब ए बारात (ऐच्छिक)

संतान गोपाल का जप मंत्र ऊँ क्लीं देवकी सुत गोविंद वासुदेव जगत्पते, देहि में तनयम् कृष्ण त्वामहम् शरणम् गतः क्लीं ऊँ॥

राजस्थान में बैंक की छुट्टियाँ

कोई अवकाश नहीं है।

राहु काल का समय

रवि	अपराह्न 4-30 से 6-00 बजे तक
सोम	प्रातः 7-30 से 9-00 बजे तक
मंगल	अपराह्न 3-00 से 4-30 बजे तक
बुध	दोपहर 12-00 से 1-30 बजे तक
गुरू	दोप.बाद 1-30 से 3-00 बजे तक
शुक्र	दिन के 10-30 से 12-00 बजे तक
शनि	दिन के 9-00 से 10-30 बजे तक

हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियाँ

16. देव नारायण जयंती
22. विश्वकर्मा जयन्ती (ऐच्छिक)
23. स्वामी रामचरण जयन्ती (ऐ.)
23. गाडगे महाराज जयंती (ऐच्छिक)
24. गुरू रविदास जयंती (ऐच्छिक)
25. शब ए बारात (ऐच्छिक)

गायत्री मंत्रः ॐ भूर्भुवः स्व : तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्॥

शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ

14. बसंत पंचमी व सरस्वती ज. (उत्सव)
16. देवनारायण जयंती (अव., उत्सव)
20. से 22. तृतीय परख
28. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (उत्सव)

गृहस्थ एक तपोवन है, जिसमें संयम, सेवा और सहिष्णुता की साधना करनी पड़ती है। अतः कर्तव्य निर्वाह करते हुए जीवन को सुन्दर एवं सार्थक बनावें।

भारत सरकार की छुट्टियाँ

14. श्री पंचमी, बसन्त पंचमी (ऐच्छिक)
19. शिवाजी जयंती (ऐच्छिक)
24. गुरू रविदास जयंती (ऐच्छिक)

रोगनाशक विधि-किसी भी रोग के लिये कोई भी औषधि आरंभ करने से पहले नीचे लिखे मंत्र को पढ़ें, फिर औषधि प्रारंभ करें तो शीघ्र लाभ हो। मंत्र ऊँ ह्रीं सर्वति सर्वति श्री क्लीं सर्वोषधि प्राण दायिनी नैऋत्ये नमो नमः स्वाहा।

प्रत्येक मनुष्य अपना आंगन साफ कर दे तो सारी दुनिया स्वच्छ हो जाये- गेटे

अधिकृत थोक विक्रेता :- ईश्वर लाल बुकसेलर
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोन: 0141-2575532
प्रकाशक:- किशोरी शरण एण्ड संस

श्री शिव जी का जप मंत्र :- ॐ नमः शिवाय।। (प्राकृतिक, सामाजिक व सरकारी नियम मानव कल्याण के लिये होते हैं, अतः इनका पालन करना चाहिये।)

Composing By: Sourabh

॥ श्री गणेशाय नमः॥ ॐ वक्र तुण्ड महाकाय, कोटि सूर्य सम प्रभः। निर्विघ्नं कुरू मे देव सर्व कार्येषु सर्वदा: ॥

3 ३

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादक: अशोक अग्रवाल

कापी राईट नं. L-123018/2023

सरकारी छुट्टियों सहित

प्रकाशक: किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

(11 फाल्गुन से 11 चैत्र शाक: 1945-46)
(19 सावान से 20 रमजान हिजरी सन् 1445)

मार्च 2024

(फाल्गुन कृष्ण ६ से चैत्र कृष्ण ६ तक)
(विक्रम संवत् २०८०, बसन्त ऋतु, सूर्य उत्तरायणे)

रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	**31** ज्येष्ठा 22-56 श्री वल्लभचन्द्र ज. राधा पुआ व्यतिपात पुण्यं वित्तीय लेखा वर्ष पू. सर्वार्थसिद्धि,रवियोग; धनु चन्द्र 22-56; भद्रा 21-31 से; श्री एकनाथ षष्ठी,ईस्टर संडे	**3** अनुराधा 15-55 राजयोग 8-45 तक जानकी ज. कालाष्टमी भानु सप्तमी ७ फाल्गुन कृष्ण सप्तमी वि.वन्यजीव दि.; श्री नाथजी पाटोत्सव (नाथद्वारा)	**10** पूर्वभाद्र 25-55 द्वापर युगादि ३० देवपितृकार्य अमावस्या मीन चन्द्र 20-40; सर्वार्थसिद्धियोग 25-55 से; शिव खप्पर पूजा; पंचक मन्वादि	**17** मृगशिर 16-47 होलाष्टक प्रा. दाददयाल ज. दुर्गाष्टमी ८ फाल्गुन शुक्ल अष्टमी रवियोग 16-47 से; भद्रा 9-40 तक; अष्टाह्निका महापर्व प्रा.	**24** पूर्वाफाल्गुन 7-34 रवियोग 7-34 तक चांद्र पू.व्रत १४ फाल्गुन शु.चतुर्दशी कन्या चन्द्र 14-20; होलिका दहन; भद्रा 9-55से23-13तक; हुताशिनी पू.
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	शुभ विवाह मुहूर्त 2, 3, 4, 5, 6, 7 मार्च गृहारंभ (नींव) मुहूर्त 6.बुध, 7.गुरू गृह प्रवेश मुहूर्त 1,2,6,7,8,11,15,16 मार्च देव प्रतिष्ठा मुहूर्त 3, 4, 7, 8 मार्च	**4** ज्येष्ठा 16-21 सीताष्टमी ८ फाल्गुन कृष्ण अष्टमी धनु चन्द्र 16-21; रा.सुरक्षा दिवस	**11** उत्तराभाद्र 23-03 चंद्रदर्शन पंचक १ फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा	**18** आर्द्रा 18-10 बरसाना होली आज आनंदा नवमी ९ फाल्गुन शुक्ल नवमी रवियोग 18-10 से; ब्रज में होली प्रा.; कुमारयोग 22-50 से; श्री हरि ज.	**25** उत्तराफाल्गुन 10-37 गणगौर पूजा प्रा. धूलंडी,छारेण्डी १५ श्री चैतन्य महाप्रभु ज. अष्टाह्निका महापर्व पू.; मन्वादि, सत्यव्रत; होलाष्टक स.,डोलोत्सव; माघ चन्द्रग्रहण (उपच्छायी)
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	व्यापार प्रारंभ मुहूर्त 3, 7,11 मार्च प्रसूति स्नान मुहूर्त 8,11,12,26 मार्च माघ (उपच्छायी) चंद्रग्रहण 25 मार्च को उपच्छायी चंद्रग्रहण होगा जो कि भारत में धुंधला	**5** मूल 16-00 स्वा.दयानंद ज. ९-१० फाल्गुन कृ.नवमी/दशमी कुमारयोग 8-04 से; श्री रामदास नवमी; भद्रा 19-23 से 30-31 तक	**12** रेवती 20-29 अमृतसर्वार्थसिद्धि रवियोग फुलेरा दोज २-३ पंचक 20-29 तक मेष चन्द्र 20-29; म.रामजान प्रा.; रोजा प्रा.; श्री रामकृष्ण परमहंस ज.; खाटूश्याम जी प्रा.	**19** पुनर्वसु 20-10 फागु दशमी(उ.) नंदगाँव होली १० बृज महोत्सव प्रा.(भरतपुर) कर्क चन्द्र 13-37; रवियोग; गु.हरगोविंद सिंह पु.दि.(ज.मत)	**26** हस्त 13-33 राजयोग 14-56 से बसंतोत्सव प्रा. १ मे.बादशाह,फूलडोल(ब्यावर) तुला चन्द्र 28-56; कुमारयोग; त्रिपुष्कर 14-56 से; होला मेला(पं.)
बुधवार Wednesday बुध	दिखाई देगा, इसलिये यह चंद्र ग्रहण खगोलिय घटना के रूप में मान्य होगा। ग्रहण के रूप में मान्य न होने के कारण ग्रहण का सूतक भी मान्य नहीं होगा। महाशिवरात्रि पूजन 8 मार्च को प्रथम प्रहर-सायं 6-28 से 9-	**6** पूर्वाषाढ 14-52 व्यतिपात पुण्यं ११ फाल्गुन कृष्ण एकादशी मकर चंद्र 20-28; विजया एका.व्रत (स्मा.)	**13** अश्विनी 18-24 संत चतुर्थी(उ.) विनायक चतुर्थी ४ फाल्गुन शुक्ल चतुर्थी ज्वाला.योग 25-26 से; रवियोग 18-24 तक; भद्रा 14-41 से 25-26 तक	**20** पुष्य 22-38 बृज महोत्सव पू. महाविषुव दिन रंगभरी एका. ११ सूर्य उत्तर गोल में प्रवेश आमला एका.व्रत (स्मा.); बसंत संपात; रवियोग; म.मेला खाटूश्यामजी; भद्रा 13-20से26-23तक	**27** चित्रा 16-15 वि.थियेटर दि. चित्रगुप्त पू. २ चैत्र कृष्ण द्वितीया राजयोग 16-15 तक; संत तुकाराम ज.; भाईदूज,कलमदान पू.; भद्रा 30-05 से
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	32 बजे तक, द्वितीय प्रहर-रात्रि 9-33 से 12-37 तक, तृतीय प्रहर-मध्यरात्रि 12-38 से 3-41 तक, चतुर्थ प्रहर-मध्य रात्रि बाद 3-42 से 9 मार्च को प्रात: 6-46 बजे तक निशीथ काल- 8 मार्च को मध्य रात्रि 12-13 से 1-02 बजे तक।	**7** उत्तराषाढ 13-03 १२ फाल्गुन कृष्ण द्वादशी विजया एका.व्रत (वैष्ण.); पं.गोविंद वल्लभ पंत पु.दि.	**14** भरणी 16-55 वैधृति पुण्यं मीन संक्रांति ५ मीन मल मास प्रा. रवियोग 16-55 से; वृष चन्द्र 22-40; वि.गुर्दा दि.; यमघंट 16-55 से; याज्ञवल्क्य ज.	**21** अश्लेषा 25-27 मे.खाटूश्यामजी पू. गोविंद द्वादशी १२ आमला एका.व्रत(निम्बा.) सिंह चंद्र 25-27; वि.वन्य दि.; शक 1946 प्रा.; रा.चैत्र प्रा.; तिथिवासर 8-21तक	**28** स्वाति 18-38 चंद्रोदय 21-31 कल्पादि ३ चैत्र कृष्ण तृतीया संकष्ट चतुर्थी व्रत; भद्रा 18-57 तक
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	**1** स्वाति 12-48 ६ फाल्गुन कृष्ण छठ रवियोग 12-48 से; कुमारयोग 12-48 से	**8** श्रवण 10-41 महाशिवरात्रि प्रदोष व्रत १३ पंचक 21-20 से कुम्भ चन्द्र 21-20; सर्वार्थसिद्धियोग 10-41 तक; बैद्यनाथ ज.; वि.महिला दि.; भद्रा 21-58 से; कृतिवासेश्वर पू.	**15** कृत्तिका 16-08 वि.उपभोक्ता दि. वि.निद्रा दि. ६ रवियोग 16-08 तक कुमारयोग 16-08 से; यमघंट 16-08 से; गोरूपिणी षष्ठी(बं.)	**22** मघा 28-28 विश्व जल दि. प्रदोष व्रत १३ फाल्गुन शुक्ल त्रयोदशी रवियोग 28-28 से; सर्वार्थसिद्धियोग 28-28 से	**29** विशाखा 20-36 कुमारयोग 20-21 से गुड फ्राईडे ४ चैत्र कृष्ण चतुर्थी वृश्चिक चंद्र 14-09; सर्वार्थसिद्धियोग 20-36 से
शनिवार Saturday शनीचर	**2** विशाखा 14-42 रवियोग 14-42 तक ६ फाल्गुन कृष्ण छठ वृश्चिक चंद्र 8-17; त्रिपुष्कर 7-54 से 14-42 तक; भद्रा 7-54 से 20-25 तक	**9** धनिष्ठा 7-55 शतभिषा 28-56 पंचक वृद्धि शनिवार १४ फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी अमृतसर्वार्थसिद्धियोग 28-56 तक; यमघंट 7-55से; मु.वासुदेव ज.; भद्रा 8-10 तक	**16** रोहिणी 16-05 रा.टीकाकरण दि. फाल्गुन शु.७ रोहिणी व्रत (जैन) मिथुन चन्द्र 28-21; अमृतसर्वार्थसिद्धियोग 16-05 तक; त्रिपुष्कर 16-05 से; भद्रा 21-39 से	**23** पूर्वाफाल्गुन 31-34 रवियोग १३ फाल्गुन शुक्ल त्रयोदशी वि.मौसम विज्ञान दि.; भगत सिंह,सुखदेव, राजगुरू शहीद दि.	**30** अनुराधा 22-03 राजस्थान स्थापना दि. रंग पंचमी ५ चैत्र कृष्ण पंचमी रवियोग 22-03 से; ईस्टर सेटर्डे; श्री जयंती

ता. याददास्ती

1 .... 2 .... 3 .... 4 .... 5 .... 6 .... 7 .... 8 .... 9 .... 10 .... 11 .... 12 .... 13 .... 14 .... 15 .... 16 .... 17 .... 18 .... 19 .... 20 .... 21 .... 22 .... 23 .... 24 .... 25 .... 26 .... 27 .... 28 .... 29 .... 30 .... 31 ....

दुकान की छुट्टी व समय छूट
8. शुक्र- महाशिवरात्रि
24. रवि- होली
25. सोम- धूलण्डी
26. मंगल-मे.बादशाह (ब्यावर)

समय परिवर्तन
दि.16 मार्च से प्रात: 9-30 बजे से रात्रि 8-00 बजे तक।

स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त
12. मंगल- फुलेरा दोज

राजस्थान सरकार की छुट्टियाँ	राजस्थान में बैंक की छुट्टियां	हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियां	शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ	भारत सरकार की छुट्टियाँ
5. स्वामी दयानन्द जयंती (ऐ.) 8. महाशिवरात्रि 24. होली (होलिका दहन) 25. धूलण्डी व छारेण्डी 29. गुडफ्राइडे	8. महाशिवरात्रि 25. धूलण्डी (होली) नवग्रहों का स्तुति मंत्र-ॐ ब्रह्मा मुरारी त्रिपुरान्तकारी, भानु: शशि: भूमि सूतो बुधश्च गुरूश्च, शुक्र: शनि राहु केतव: सर्वे ग्रहा: शान्ति करा भवन्तु ॥	5. स्वामी दयानन्द जयंती (ऐच्छिक) 8. महाशिवरात्रि 24. होली (होलिका दहन) 25. धूलण्डी व छारेण्डी 29. गुडफ्राइडे	5. स्वामी दयानंद जयंती (उत्सव) 8. महाशिवरात्रि (अवकाश,उत्सव) 8. विश्व महिला दिवस (उत्सव) 15. विश्व उपभोक्ता दिवस (उत्सव) 24. होलिका दहन (अवकाश) 25. धूलण्डी (अवकाश) 29. गुड फ्राई डे (अवकाश) 30. राजस्थान स्थापना दिवस (उत्सव)	6. स्वामी दयानंद जयंती (ऐच्छिक) 8. महाशिवरात्रि (ऐच्छिक) 24. होलिका दहन (ऐच्छिक) 25. डोलयात्रा (ऐच्छिक) 25. धूलण्डी व छारेण्डी 29. गुड फ्राईडे 31. ईस्टर सण्डे (ऐ.)

होलिका दहन समय:-24 मार्च को प्रदोष व्यापिनी पूर्णिमा होने से होलिका दहन पर्व इसी दिन होगा। शास्त्रानुसार भद्रा यदि अर्द्ध रात्रि से पूर्व समाप्त हो जाती है तो होलिका दहन भद्रा बाद करना चाहिये। इस दिन भद्रा प्रात: 9-55 से 23-13 तक है, जो कि सर्वथा त्याज्य है। अत: होलिका दहन 23-13 से अर्द्धरात्रि बाद 24-33 के मध्य होगा।

अचूक मंत्र:- ॐ ह्रीं बटुकाय आपद उद्धारणाय कुरू कुरू बटुकाय ह्रीं ॐ॥

HAPPY HOLI

होली पर्व आपसी प्रेम को दर्शाता है। अत: इसे शालीनता पूर्वक मिल-जुलकर मनावें।

अधिकृत थोक विक्रेता :- ईश्वर लाल बुकसेलर

सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोन: 0141-2575532

प्रकाशक:- किशोरी शरण एण्ड संस

श्री विष्णु जी का जप मंत्र :- ॐ नमो भगवते वासुदेवाय।। (रात्रि को जल्दी सोना व प्रात: जल्दी उठना, मनुष्य को स्वस्थ, धनी एवं बुद्धिमान बनाता है।)

नोट: कृपया सही जानकारी के लिए "किशोर जंत्री (पंचांग)" ही खरीदें, मिलते-जुलते नाम से

Composing By. Samadi

॥ श्री गणेशाय नमः॥ ॐ वक्र तुण्ड महाकाय, कोटि सूर्य सम प्रभः। निर्विघ्नं कुरू मे देव सर्व कार्येषु सर्वदाः॥

4 **किशोर जंत्री (पंचांग)** ® ४

सम्पादक: अशोक अग्रवाल | कापी राईट नं. L-123018/2023 | संरकारी छुट्टियों सहित | प्रकाशक: किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

(12 चैत्र से 10 वैशाख शाक: 1946)
(21 रमजान से 20 सव्वाल हिजरी सन् 1445)

अप्रैल 2024

(चैत्र कृष्ण ७ से वैशाख कृष्ण ७ तक)
(वि. सं.२०८०-८१, बसन्त-ग्रीष्म ऋतु, सूर्य उत्तरायणे)

रविवार **Sunday** इतवार (सूर्य)	शुभ विवाह मुहूर्त 18,19,21,22,23,25,26 उपनयन (जनेऊ) मुहूर्त 14, 15, 18, 26 अप्रैल व्यापार प्रारंभ मुहूर्त 20, 21, 26 अप्रैल प्रसूति स्नान मुहूर्त 9, 18, 21 अप्रैल	२८ पूर्वभाद्र 12-58 पंचक **7** मीन चन्द्र 7-39 शुक्र कद्दर(मु.) सर्वार्थसिद्धियोग मे.पिंडोवा (हरि.) विश्व स्वास्थ्य दि. भद्रा6-54से17-08तक १३-१४ मासशिवरात्रि	५ आर्द्रा 25-35 रामानुजाचार्य ज. **14** अंबेडकर ज., यमुना ज. त्रिपुष्कर 25-35 से मेषादि(बं.) ६ मे.माईसरखाना(पं.) अशोका षष्ठी(ब्र.) चैत्र शुक्ल छठ	११ उत्तराफाल्गुन 17-08 भार.वैशाख प्रा. **21** मे.मं. श्री महावीर जी श्री महावीर ज. अमृतसर्वार्थसिद्धियोग अनंग त्रयोदशी प्रदोष व्रत १३ चैत्र शुक्ल त्रयोदशी	१८ मूल 28-49 **28** सर्वार्थसिद्धियोग 28-49 तक ४ वैशाख कृ.चतुर्थी
सोमवार **Monday** पीर (चन्द्र)	२१ मूल 23-12 श्री प्रेमभाया महोत्सव **1** रवियोग 23-12 तक शहादते हजरत अली शीतला सप्तमी मे.शील की डूंगरी(चाकसू) भद्रा 9-26 तक बास्योड़ा ७ अप्रैल फूल दि. चैत्र कृष्ण सप्तमी	२८ उत्तराभाद्र 10-12 देवपितृकार्य अमा. **8** वि.सं.2080 पूर्ण सोमवती अमा. पंचक खग्रास सूर्यग्रहण (भारत में अदृश्य) मन्वादि चैत्री अमा.३० चैत्र कृ.अमावस्या	६ पुनर्वसु 27-05 दुर्गा पूजन प्रा.(बं.) **15** कर्क चन्द्र 20-39 सर्वार्थसिद्धियोग भद्रा12-12से24-43तक जैन ओली प्रा. ७ चैत्र शुक्ल सप्तमी	१२ हस्त 19-59 हाटकेश्वर ज. **22** शिव दमनक चतुर्दशी श्री नृसिंह डोलोत्सव गु.हरिकिशन पु.दि. भद्रा 27-26 से (प्रा.मत) वि.पृथ्वी दि.१४ रवियोग 19-59 तक	१९ पूर्वाषाढ 28-42 रवियोग 28-42 से **29** गु.तेग बहादुर ज. (प्रा.मत) शुक्र अस्त अगस्त्य अस्त ५ वैशाख कृ.पंचमी
मंगलवार **Tuesday** मंगल (भौम)	२२ पूर्वाषाढ 22-49 ऋषभदेव ज. **2** मकर चन्द्र 28-37 मे.केसरियाजी(मेवाड़) जैन वर्षीतप प्रा. ८ कालाष्टमी चैत्र कृष्ण अष्टमी	२९ रेवती 7-32 अश्विनी 29-06 **9** पंचक 7-32 तक मेष चन्द्र 7-32 वैधृति पुण्य बसंत नवरात्रा प्रा., कल्पादि वि.सं.2081 प्रा. श्री गौतम ज.१ चैत्र शुक्लादि घट् स्थापना,गुड़ी पड़वा	७ पुष्य 29-16 मे.महावीरजी प्रा. रवियोग **16** मासिक दुर्गाष्टमी, अशोकाष्टमी सर्वार्थसिद्धियोग मे.मनसा देवी(हरि.) मे.बाहुफोर्ट(काश्मीर) अन्नपूर्णा पूजा(बं.) ८ महाष्टमी व्रत पू. गु.अंगददेव,हरकिशन पु.दि.	१३ चित्रा 22-32 हनुमान ज.(द.भा.) मन्वादि **23** तुला चन्द्र 9-18 मे.सालासर बालाजी वैशाख स्नान प्रा.,सत्यव्रत भद्रा 16-25 तक शिवाजी पु.दि. चैत्री पू.१५ मे.महावीरजी,जैन ओली पू.	२० उत्तराषाढ 28-09 रवियोग28-09तक **30** मकर चन्द्र 10-36 त्रिपुष्कर 7-05 भद्रा 7-05 से18-29 तक ६-७ गु.अर्जुनदेव ज.(प्रा.मत)
बुधवार **Wednesday** बुध	२३ उत्तराषाढ 21-47 **3** कुमारयोग 21-47 से भ.आदिनाथ ज.व तप कल्याणक दि.(जैन) भद्रा 29-26 से ९ चैत्र कृष्ण नवमी	३० भरणी 27-05 जल संसाधन दि. **10** राजयोग,रवियोग सर्वार्थसिद्धियोग चन्द्रदर्शन झूलेलाल ज., चेटीचंड भार.रेल सप्ताह प्रा. सिंजारा २ चैत्र शु.द्वितीया	८ अश्लेषा 31-56 **17** कैद नवरात्रा पू. रवियोग स्वा.नारायण ज. श्री रामनवमी ९ चैत्र शुक्ल नवमी	१४ स्वाति 24-41 मानव एकता दि. **24** कुमारयोग24-41 से पाटोत्सव(नाथद्वारा) श्रीएकलिंग जी १ वैशाख कृ.प्रतिपदा	गृहारंभ (नींव) मुहूर्त 24, 26 अप्रैल गृह प्रवेश मुहूर्त 15, 24, 26 अप्रैल देव प्रतिष्ठा मुहूर्त 14,15,16,17, 24, 26
गुरूवार **Thursday** जुम्मेरात	२४ श्रवण 20-12 **4** दशामाता व्रत भद्रा 16-14 तक १० चैत्र कृष्ण दशमी	१ कृत्तिका 25-38 मु.सव्वाल प्रा. मत्स्य ज. **11** ईदुलफितर,मीठी ईद ज्योतिबा फुले ज. वृष चन्द्र 8-40 मेवाड़ उत्सव प्रा.(उदय.) मनोरथ तृतीया,व्रत भद्रा 26-03 से गौरी तृतीया ३ मे.गणगौर व पू.,मन्वादि	९ अश्लेषा 7-56 नवरात्रोत्थापन **18** पुरातत्व दि.,रवियोग सिंह चन्द्र 7-56 गु.तेग बहादुर,अंगददेव ज.(नं.मत) धर्मराज दशमी १० चैत्र शुक्ल दशमी	१५ विशाखा 26-24 विश्व मलेरिया दि. **25** वृश्चिक चन्द्र 20-00 सर्वार्थसिद्धियोग 26-24 से व्यतिपात पुण्यं १ वैशाख कृ.प्रतिपदा	नोट- 29 अप्रैल से शुक्र अस्त व 6 मई को गुरू अस्त होकर 3 जून को गुरू उदय व 28 जून को शुक्र उदय होगा। अत: उक्त काल में तथा गुरू व शुक्र अस्त व उदय से 3 दिन पूर्व व बाद का समय वृद्धत्व, व बाल्यत्व दोष युक्त होने से उक्त समय में कोई भी शुभ कार्य सम्पन्न नहीं करना चाहिये।
शुक्रवार **Friday** जुम्मा (भृगु)	२५ धनिष्ठा 18-07 पंचक 7-12 से **5** जुमातुलविदा(मु.) कुंभ चन्द्र 7-12 पापमोचनी एका.व्रत राजयोग 13-29 से ११ चैत्र कृ.एकादशी	२ रोहिणी 24-51 विनायक चतुर्थी **12** रवियोग रोहिणी व्रत (जैन) यमघंट 24-51 तक गु.अंगददेव पु.दि.(प्रा.मत) भद्रा 13-12 तक कुमारयोग ४ मे.गणगौर दूसरा दिन	१० मघा 10-57 राजयोग 20-05 से **19** कुमार,रवियोग10-57तक कामदा एका.व्रत भद्रा 6-47से20-05तक श्री वल्लभाचार्य ज. ग्रीष्म ऋतु प्रा.११ चैत्र शु.एकादशी	१६ अनुराधा 27-40 राजयोग 27-40 तक **26** सर्वार्थसिद्धियोग 27-40 तक भद्रा 20-06 से २ वैशाख कृ.द्वितीया	सौभाग्य लक्ष्मी मंत्र ॐ महालक्ष्मयै च विद्महे विष्णु पत्नी च धीमहि। तन्नो लक्ष्मी: प्रचोदयात्।
शनिवार **Saturday** शनीचर	२६ शतभिषा 15-39 शनि प्रदोष व्रत **6** महावारुणी योग 10-20 से मे.कैलादेवी प्रा.(करौली) पंचक १२ चैत्र कृष्ण द्वादशी	३ मृगशिर 24-49 कड़क पूजा(बं.) **13** गु.गोविंद सिंह पु.दि.(प्रा.मत) शनिवार,वैशाखी(पं.) मिथुन चन्द्र 12-44 मेवाड़ उत्सव पू.(उदय.) मेष संक्रांति,कल्पादि स्कंध षष्ठी ५ श्री,लक्ष्मी पंचमी मीन मल मास स.	११ पूर्वाफाल्गुन 14-04 हरि दमनोत्सव **20** कन्या चन्द्र 20-51 त्रिपुष्कर 14-04 से मदन द्वादशी १२ चैत्र शुक्ल द्वादशी	१७ ज्येष्ठा 28-28 चन्द्रोदय 22-24 **27** धनु चन्द्र 28-28 भद्रा 8-18 तक चतुर्थी व्रत ३ वैशाख कृ.तृतीया	गुरू या शुक्र अस्त में विचार गुरू या शुक्र अस्त के समय विवाह, विद्यारंभ, प्रतिष्ठा, गृह प्रवेश, गृहारंभ, कुँआ, तालाब निर्माण व आना जाना शास्त्रों में निषेध माना गया है।

ता. याद्दास्ती

1 ……
2 ……
3 ……
4 ……
5 ……
6 ……
7 ……
8 ……
9 ……
10 ……
11 ……
12 ……
13 ……
14 ……
15 ……
16 ……
17 ……
18 ……
19 ……
20 ……
21 ……
22 ……
23 ……
24 ……
25 ……
26 ……
27 ……
28 ……
29 ……
30 ……

दुकान की छुट्टी व समय छूट

3.बुध- शीतला पू.(बास्योड़ा)
11.गुरू- ईदुलफितर(चांद से)
19.शुक्र-श्री राम नवमी

स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त

1. सोम- बास्योड़ा
9. मंगल- नवसंवत्सर
17. बुध- श्री रामनवमी

नवग्रह की अंगूठी का नमूना

पन्ना	हीरा	मोती
पुखराज	माणक	मूंगा
लहसुनिया	नीलम	गोमेदक

नोट- 8 अप्रैल को खग्रास सूर्य ग्रहण भारत में दृश्य न होने से ग्रहण व सूतक मान्य नहीं होगा।

राजस्थान सरकार की छुट्टियाँ

5. जुमातुलविदा (ऐच्छिक)
10. चेटीचण्ड
11. ईदुलफितर (चाँद से)
11. ज्योतिबा फुले जयंती
13. वैशाखी (ऐच्छिक)
14. डॉ. अम्बेडकर जयंती
17. श्रीरामनवमी
21. श्री महावीर जयंती

राजस्थान में बैंक की छुट्टियाँ

1. वार्षिक बैंक खाताबंदी
11. ईदुलफितर(चाँद से) 14.अंबेडकर ज.
17. श्री रामनवमी 21. महावीर जयंती

नव संवत् मंगलमय हो

घट् स्थापना समय- 9 अप्रैल को वैधृति योग 14-17 तक है, जो कि त्याज्य है, अत: घट् स्थापना स्वयं सिद्ध अभिजित समय में 12-04 से 12-52 बजे तक श्रेष्ठ।

हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियाँ

5. जुमातुलविदा (ऐच्छिक)
10. चेटीचण्ड
11. ईदुलफितर (चाँद से)
11. ज्योतिबा फुले जयंती (ऐच्छिक)
13. वैशाखी (ऐच्छिक)
14. डॉ. अम्बेडकर जयंती
17. श्रीरामनवमी
21. श्री महावीर जयंती

शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ

1. विद्यालय समय परिवर्तन
8. से 25. वार्षिक परीक्षा
10. चेटीचण्ड (अवकाश,उत्सव)
11. ईद-उल-फितर (अव.) चांद से
14. डॉ.अंबेडकर जयंती (अव., उत्सव)
17. श्री रामनवमी (अवकाश, उत्सव)
21. महावीर जयंती (उत्सव, अवकाश)

क्षमा प्रार्थना मंत्र- मंत्रहीनं क्रिया हीनं भक्तिहीनं जनार्दन।यत्पूजितं मया देव परिपूर्ण तदस्तु मे॥

भारत सरकार की छुट्टियाँ

5. जुमातुलविदा (ऐच्छिक)
9. गुड़ी पड़वा, चैत्र शुक्लादि (ऐच्छिक)
9. चेटीचण्ड, उगादि (ऐच्छिक)
11. ईदुलफितर (चांद से)
13. वैशाखी,विशु (ऐच्छिक)
14. मेषादि,वैशाखादि,माघ बिहु (ऐ.)
17. श्री रामनवमी 21. श्री महावीर जयंती

अहिंसा परमोधर्म:

अधिकृत थोक विक्रेता :- **ईश्वर लाल बुकसेलर**
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोन: 0141-2575532
प्रकाशक:- **किशोरी शरण एण्ड संस**

श्री सूर्य का जप मंत्र :- ॐ घृणि सूर्याय नमः।। अथवा ॐ ह्रीं आदित्याय स्वाहा: ॥ श्री हनुमान जी का जप मंत्र:- ॐ ह्रीं हनुमते रामदूताय नमः॥

॥ श्री गणेशाय नमः॥ ॐ वक्र तुण्ड महाकाय, कोटि सूर्य सम प्रभः। निर्विघ्नं कुरू मे देव सर्व कार्येषु सर्वदाः ॥

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादकः
अशोक अग्रवाल

कापी राइट नं. L-123018/2023

सरकारी छुट्टियों सहित

प्रकाशक :
किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

(11 वैशाख से 10 ज्येष्ठ शाकः 1946)
(21 सव्वाल से 22 जिल्काद हिजरी सन् 1445)

मई 2024

(वैशाख कृष्ण ८ से ज्येष्ठ कृष्ण ८ तक)
(विक्रम संवत् २०८१, ग्रीष्म ऋतु, सूर्य उत्तरायणे)

प्रसूति स्नान मुहूर्त
9,19,21,23,26,28 मई

राज.सरकार की छुट्टियाँ
5. श्री सैन जयंती (ऐ.)
10. श्री परशुराम जयंती
23. बुद्ध पूर्णिमा (ऐच्छिक)

सिविल,हाईकोर्ट की छुट्टियाँ
5. श्री सैन जयंती (ऐ.)
10. श्री परशुराम जयंती
23. बुद्ध पूर्णिमा (ऐच्छिक)

शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ
1. नवीन सत्रारंभ
7. टैगोर जयंती (उत्सव)
8. से 15. पूरक परीक्षा
10. श्री परशुराम ज. (अव.)
16. पूरक परीक्षा परि.घोषणा
17. मई से 23.जून ग्रीष्माव.

भारत सरकार की छुट्टियाँ
8. रविंद्रनाथ टैगोर ज.(ऐ.)
23. बुद्ध पूर्णिमा

रविवार Sunday इतवार (सूर्य)

- **5** — उत्तराभाद्र 19-57; वि.हास्य दि.; वैधृति पुण्यं; श्री सैन ज.; पंचक; राजयोग 17-42तक; सर्वार्थसिद्धियोग 19-57 तक; प्रदोष व्रत; १२; वैशाख कृ.द्वादशी
- **12** — आर्द्रा 10-26; रवियोग; सूरदास ज., मदर्स डे; कर्क चंद्र 29-05; ग्रीष्मोत्सव पू.(भरतपुर); श्री आद्यशंकराचार्य ज.; वि.नर्स दि.; ५; वैशाख शु.पंचमी
- **19** — हस्त 27-16; परशुराम द्वादशी; अमृतसर्वार्थसिद्धियोग; राधा,रुक्मणी द्वादशी; राजयोग; भद्रा 13-50 तक; मोहिनी एका.व्रत; द्विपुष्कर योग; ११; श्री हित हरिवंश महाप्रभु ज.
- **26** — मूल 10-36; चंद्रोदय 22-14; माँ आनंदमयी ज.; सर्वार्थसिद्धियोग; भद्रा 6-35से18-07तक; राजयोग; चतुर्थी व्रत; ३; ज्येष्ठ कृ.तृतीया

सोमवार Monday पीर (चन्द्र)

- **6** — रेवती 17-43; मेष चंद्र 17-43; पंचक 17-43 तक; शुक्र अस्त; भद्रा 14-40 से 25-10 तक; मासशिवरात्रि; १३; वैशाख कृ.त्रयोदशी
- **13** — पुनर्वसु 11-23; रवियोग 11-23 से; सर्वार्थसिद्धियोग; कुमारयोग; श्री रामानुजाचार्य ज.; (द.भा.); चंदन छठ(बं.); ६; वैशाख शु.छठ
- **20** — चित्रा 29-46; रवियोग 29-46 से; तुला चन्द्र 16-34; सोम प्रदोष व्रत; १२; वैशाख शु.द्वादशी
- **27** — पूर्वाषाढ 10-13; मकर चन्द्र 16-05; पं.नेहरू पु.दि.; ४; ज्येष्ठ कृ.चतुर्थी

मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)

- **7** — अश्विनी 15-32; रविंद्रनाथ टैगोर ज.; वि.अस्थमा दि.; अमृतसर्वार्थसिद्धियोग 15-32 तक; पितृकार्य अमा.; १४; वैशाख कृ.चतुर्दशी
- **14** — पुष्य 13-05; रवियोग,राजयोग; गंगोत्पत्ति,गंगा सप्तमी; सर्वार्थसिद्धियोग; भद्रा 28-20 से; गंगा पू.; वृष संक्रांति; ७; वैशाख शु.सप्तमी
- **21** — चित्रा 5-46; व्यतिपात पुण्यं; श्री नृसिंह ज.; राजीव गांधी पु.दि.; १३; वैशाख शु.त्रयोदशी
- **28** — उत्तराषाढ 9-33; वीर सावरकर ज.; कुमारयोग 9-33 से; ५; ज्येष्ठ कृ.पंचमी

बुधवार Wednesday बुध

- **1** — श्रवण 27-11; शीतलाष्टमी; मजदूर दिवस; बूढा बास्योडा; कालाष्टमी; ८; वैशाख कृ.अष्टमी
- **8** — भरणी 13-33; श्री शुकदेव ज.; वृष चन्द्र 19-07; देव दामोदर तिथि (आसाम); मे.पुरपिंजोर(हरि.); सर्वार्थसिद्धियोग; देवकार्य अमा.; ३०; रविंद्रनाथ टैगोर ज.(बं.)
- **15** — अश्लेषा 15-25; बगलामुखी ज.; सिंह चन्द्र 15-25; वि.परिवार दि.; भद्रा 17-18 तक; दुर्गाष्टमी,बुधाष्टमी; ८; वैशाख शु.अष्टमी
- **22** — स्वाति 7-46; भार.ज्येष्ठ प्रा.; वृश्चिक चंद्र 26-56; रवियोग 7-46 तक; गु.अमरदास ज.(प्रा.मत); राममोहन राय ज.; भद्रा 18-48 से; छिन्नमस्ता ज.; १४; आद्यशंकराचार्य कैलाशगमन
- **29** — श्रवण 8-38; वि.माउंट एवरेस्ट दि.; कुंभ चन्द्र 20-06; पंचक 20-06 से; भद्रा13-40से24-43तक; कुमारयोग; रवियोग,राजयोग; ६; चौ.चरण सिंह पु.दि.

गुरूवार Thursday जुम्मेरात

- **2** — धनिष्ठा 25-49; पंचक 14-32 से; कुंभ चन्द्र 14-32; गु.अंगददेव ज.(न.मत); ९; वैशाख कृ.नवमी
- **9** — कृत्तिका 11-55; चंद्रदर्शन; रवियोग 11-55 तक; श्री शिवाजी ज.; गु.अंगददेव ज.(प्रा.मत); गोखले ज.; १-२; वैशाख शुक्ल(सुदी)
- **16** — मघा 18-14; जानकी नवमी; रवियोग 18-14 से; ८; वैशाख शु.अष्टमी
- **23** — विशाखा 9-14; मे.देवयानी(सांभर); कूर्म,बुद्ध ज.,वैशाखी पू.; भद्रा 7-10तक; सत्यव्रत,वैशाख स्नान; सर्वार्थसिद्धियोग; पीपल पू.; १५; गु.अमरदास ज.(न.मत)
- **30** — धनिष्ठा 7-31; रवियोग 7-31 तक; पंचक; वैधृति पुण्यं; कालाष्टमी; ७; ज्येष्ठ कृष्ण सप्तमी

शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)

- **3** — शतभिषा 24-06; मु.सुव्रतनाथ ज.(जैन); कुमारयोग 24-06 से; भद्रा 12-41 से 23-24 तक; पंचक; १०; वैशाख कृ.दशमी
- **10** — रोहिणी 10-47; रोहिणी व्रत(जैन); आखा तीज; परशुराम ज.,त्रेतायुगादि; मिथुन चन्द्र 22-26; मु.त्रिलोकनाथ; ग्रीष्मोत्सव प्रा.(भरतपुर); जैन वर्षीतप पू.; मातंगी ज.; अक्षय तृतीया; ३; बद्रीनाथ केदारनाथ यात्रा
- **17** — पूर्वाफाल्गुन 21-18; कन्या चन्द्र 28-05; वि.दूरसंचार दि.; श्री हरि ज.; ९; वैशाख शु.नवमी
- **24** — अनुराधा 10-10; श्री नारद ज.; राष्ट्रमंडल दि.; सर्वार्थसिद्धियोग 10-10 तक; १; ज्येष्ठ कृ.प्रतिपदा
- **31** — शतभिषा 6-14; पूर्वाभाद्र 28-48; पंचक; अमृतसर्वार्थसिद्धियोग; मीन चंद्र 23-10; त्रिलोकनाथाष्टमी(बं.); वि.तंबाकू निषेध दि.; मे.चनानी माताजी; ८; श्री दादूदयाल पु.दि.

शनिवार Saturday शनीचर

- **4** — पूर्वाभाद्र 22-07; वि.अग्निशमन दि.; त्रिपुष्कर 20-39 से; मीन चंद्र 16-38; श्री वल्लभाचार्य ज.; वरूथिनी एका.व्रत; पंचक; ११; वैशाख बु.एकादशी
- **11** — मृगशिर 10-15; विनायक चतुर्थी; रवियोग 10-15 से; वि.शनिवार; भद्रा 14-22 से 26-04 तक; ४; वैशाख शु.चतुर्थी
- **18** — उत्तराफाल्गुन 24-23; यमघंट 24-23 से; वि.संग्रहालय दि.; रवियोग 24-23 तक; भद्रा 24-38 से; १०; श्री महावीर स्वा.कै.ज्ञान
- **25** — ज्येष्ठा 10-36; धनु चन्द्र 10-36; वि.थायराईड दि.; नौ तपा प्रा.; २; ज्येष्ठ कृ.द्वितीया

ता. यादादास्ती

1 ....
2 ....
3 ....
4 ....
5 ....
6 ....
7 ....
8 ....
9 ....
10 ....
11 ....
12 ....
13 ....
14 ....
15 ....
16 ....
17 ....
18 ....
19 ....
20 ....
21 ....
22 ....
23 ....
24 ....
25 ....
26 ....
27 ....
28 ....
29 ....
30 ....
31 ....

स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त
10.शुक्र- अक्षया तृतीया
16.गुरू- जानकी नवमी
23.गुरू- पीपल पूनम

नोट- 6 मई को गुरू अस्त होकर 3 जून को उदय होगा। अतः उक्त काल में तथा गुरू अस्त व उदय से 3 दिन पूर्व व बाद का समय वृद्धत्व व बाल्यत्व दोष युक्त होने से उक्त समय में कोई भी शुभ कार्य सम्पन्न नहीं करना चाहिये।

सुख,समृद्धि एवं शांतिदायक तंत्र- प्रातः उठकर ईश्वर स्मरण कर स्वर देखें, जिस तरफ का स्वर चल रहा हो, उस तरफ के चेहरे को उसी तरफ के हाथ से सहलावें एवं उस हाथ के दर्शन कर पहले वही पांव शैय्या से नीचे रखें, अभीष्ट सिद्धि के लिए अचूक है।

गण्डमूल नक्षत्र के चरण भेद पाद फल चक्र

चरण / नक्षत्र	अश्विनी	अश्लेषा	मघा	ज्येष्ठा	मूल	रेवती
प्रथम	पिता को भय कष्ट	शांति कराने से शुभ	माता के लिए नेष्ट	बड़े भाई को कष्ट	पिता को भय व कष्ट	राज में सम्मान
द्वितीय	सुख समृद्धि बढ़े	धन नाश	पिता को कष्ट	छोटे भाई को कष्ट	माता को कष्टप्रद	वैभव की वृद्धि
तृतीय	राजकाज में विजय	माता को कष्ट	सुख समृद्धि बढ़े	माता को कष्ट	धन व्यय	व्यापार में लाभ
चतुर्थ	राज में सम्मान	पिता को भय	धन विद्या प्राप्ति	स्वयं शरीर हेतु कष्ट	शांति कराने पर शुभ	विविध प्रकार के कष्ट

गण्डमूल नक्षत्र एवं शांति के उपाय :- अश्विनी, अश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल एवं रेवती नक्षत्र गण्डमूल कहलाते हैं। इन नक्षत्रों में जन्म लेने वाले बालक या बालिका मूल नक्षत्रों अर्थात् बड़े वारों में जन्म लने वाले माने जाते हैं। इन नक्षत्रों में जन्म लेने वाले बालक-बालिका का मुख पिता 27 दिन तक न देखें। प्रसूति स्नान के पश्चात् शुभ मुहूर्त में उसी नक्षत्र के 27 वे दिन मूल शांति करवाकर शुभ वेला में पिता बालक का मुख देखें। इन 6 नक्षत्रों में जन्मा हुआ बालक माता-पिता व अपने शरीर को कष्ट प्रदान करता है। यदि स्वयं का शरीर नष्ट नहीं हो तो वह धन, वैभव, ऐश्वर्य कारक होता है। इन 6 नक्षत्रों में जन्में बालक-बालिका का फल केवल अशुभ ही नहीं होता। नक्षत्र चरण भेद से शुभ फल भी होता है जो तालिका में दिया गया है।

अधिकृत थोक विक्रेता
ईश्वर लाल बुकसेलर
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोनः 0141-2575532
प्रकाशक
किशोरी शरण एण्ड संस

नोटःकृपया सही जानकारी के लिए "किशोर जंत्री (पंचांग)" ही खरीदें, मिलते-जुलते नाम से बचें।

श्री चन्द्र का जप मंत्र :- ॐ सों सोमाय नमः।। (स्वस्थ रहने के लिये शुद्ध हवा, जल, व्यायाम, स्नान, ईश्वर स्मरण व भोजन नियमित आवश्यक है।)

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादक: अशोक अग्रवाल
कॉपी राईट नं. L-123018/2023
सरकारी छुट्टियां सहित
प्रकाशक: किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

जून 2024

(11 ज्येष्ठ से 9 आषाढ़ शाकः 1946)
(23 जिल्काद से 23 जिलहिज हिजरी सन् 1445)

(ज्येष्ठ कृष्ण १ से आषाढ़ कृष्ण ३ तक)
(वि.संवत् २०८१, ग्रीष्म-वर्षा ऋतु, सूर्य उत्तर-दक्षिणायने)

वार					
रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	**30** २३ रेवती 7-34, पंचक 7-34 तक सर्वार्थसिद्धियोग, भद्रा 23-23 से मेष चन्द्र 7-34, जलाभाई मोरीजी पु.दि. आषाढ़ कृ.नवमी ९	**2** २४ रेवती 25-40, पंचक 25-40 तक अपरा एका.व्रत(स्मा.), मेष चन्द्र 25-40 जलक्रीड़ा (उ.), सर्वार्थसिद्धियोग भद्रकाली एका.(दि.) ज्येष्ठ कृ.एकादशी ११	**9** १ पुनर्वसु 20-20 रवियोग 20-20 से, भद्रा 27-55 से कर्क चन्द्र 14-07, सर्वार्थसिद्धियोग महाराणा प्रताप ज. रवि पुष्य योग ज्येष्ठ शु.तृतीया ३	**16** ९ हस्त 11-12 मे.गंगा दशहरा(हरि.), गंगा दशहरा व्रत श्रीराम प्रतिष्ठा दि., कन्या चन्द्र 24-35 पादुकां दे.(घाटा) श्री बटुक भैरव ज. गु.अर्जुनदेव पु.दि.(न.मत) १०	**23** १४ पूर्वाषाढ़ 17-04 राजयोग मकर चन्द्र 22-48, पूर्वाषाढ़ 17-04 से सर्वार्थसिद्धियोग 17-04 से आषाढ़ कृ.द्वितीया २
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	**3** २५ अश्विनी 24-05 मधुसूदन द्वादशी अपरा एका.(वैष्ण.), शुक्र उदय श्री अनंतनाथ ज.(जैन) ज्येष्ठ कृ.द्वादशी १२	**10** ४ पुष्य 21-40 विनायक चतुर्थी गु.अर्जुनदेव पु.दि.(प्र.मत), उमा चतुर्थी(बं.) भद्रा 16-15 तक, सर्वार्थसिद्धियोग रवियोग ४ ज्येष्ठ शु.चतुर्थी	**17** १० चित्रा 13-50 ईदुलजुहा(बकरीद) भद्रा 17-39 से रवियोग ११ निर्जला एका.व्रत(स्मा.)	**24** १८ उत्तराषाढ़ 15-54 सर्वार्थसिद्धियोग 15-54 से भद्रा 14-26 से 25-23 तक आषाढ़ कृ.तृतीया ३	
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	**4** २६ भरणी 22-35 भौम प्रदोष व्रत वृष चन्द्र 28-14, सर्वार्थसिद्धियोग भद्रा 22-01 से मासशिवरात्रि १३ वट् सावित्री व्रत प्रा.(3दिन)	**11** ५ अश्लेषा 23-39 रवि,कुमारयोग सिंह चन्द्र 23-39, श्रुति पंचमी (जैन) स्कंद विवाह(उ.), सर्वार्थसिद्धियोग श्री रूपमे.भंदे बालाजी सांई टेऊँराम पु.ति. ५	**18** ११ स्वाति 15-56 गायत्री ज. भद्रा 6-25 तक, रुक्मिणी विवाह(उ.) वृश्चिक चन्द्र 15-56, गु.ह.राय. भीम एका. ११ निर्जला एका.व्रत(वैष्ण.)	**25** १८ श्रवण 14-32 चंद्रोदय 22-32 पंचक 25-49 से, वैधृति पुण्यं कुंभ चन्द्र 25-49 चतुर्थी व्रत ४ आषाढ़ कृ.चतुर्थी	
बुधवार Wednesday बुध	**5** २८ कृत्तिका 21-16 सर्वार्थसिद्धियोग, भद्रा 8-56 तक शीतलनाथ ज.(जैन), अर्घ्य चतुर्दशी(बं.) कलहारिणी कालिका वि.पर्यावरण दि. १४ ज्येष्ठ कृ.चतुर्दशी श्रा.	**12** ६ मघा 26-12 स्कंध षष्ठी व्रत राजयोग, वि.बालश्रम निषेध दि. ज.षष्ठी(बं.), श्री सुमति बाई पु.ति. विंध्यवासिनी पू. अरण्य,आरोग्य षष्ठी ६	**19** १२ विशाखा 17-23 चंपक द्वादशी(बं.) वृश्चिक चन्द्र 11-05, श्री सुपार्श्वनाथ ज.(जैन) रवियोग प्रदोष व्रत १२ वट् सावित्री व्रत प्रा.(गुज.)	**26** १९ धनिष्ठा 13-05 नाग पंचमी(बं.), कौकिला पंचमी(बं.) पंचक ५ आषाढ़ कृ.पंचमी	
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	**6** २९ रोहिणी 20-16 शनैश्चर ज. रोहिणी व्रत (जैन), संत झाबेश्वर ज. वट् सावित्री व्रत पू., देवपितृकार्य अमा. बड़ पूजन,भावुका अमा. ३०	**13** ७ पूर्वाफाल्गुन 29-08 भद्रा 21-34 से ज्येष्ठ शु.सप्तमी ७	**20** १३ अनुराधा 18-10 वर्षा ऋतु प्रा. सर्वार्थसिद्धियोग, सूर्य दक्षिणायने, वि.शरणार्थी दि. रवियोग १३ ज्येष्ठ शु.त्रयोदशी	**27** २० शतभिषा 11-36 रवियोग 11-36 से मीन चन्द्र 28-32, भद्रा 18-40 से 29-33 तक पंचक ६ आषाढ़ कृ.छठ	
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	**7** २९ मृगशिर 19-43 करवीर व्रत मिथुन चन्द्र 7-56, चन्द्रदर्शन राजयोग 16-45 से, वि.खाद्य सुरक्षा दि. ज्येष्ठ शु. १ गंगा दशाश्व मेघ स्नान प्रा.	**14** ८ उत्तराफाल्गुन 32-14 वि.रक्तदान दि. कन्या चन्द्र 11-54, धुमावती ज., दुर्गाष्टमी मे.खीर भवानी(कश्मीर), भद्रा 10-48 तक मिथुन संक्रांति ज्येष्ठ शु.अष्टमी	**21** १५ ज्येष्ठा 18-19 अंतर्राष्ट्रीय योग दि. धनु चन्द्र 18-19, चंपक चतुर्दशी(बं.) भद्रा 7-32 से 19-09 तक, भद्रवाद चान्द्र पू.व्रत १४ वट् सावित्री व्रत पू.(गुज.)	**28** २१ पूर्वभाद्र 10-10 पंचक शुक्र उदय राजयोग,रवियोग कालाष्टमी ७ आषाढ़ कृ.सप्तमी	
शनिवार Saturday शनीचर	**1** २२ उत्तराभाद्र 27-16 बाल सुरक्षा दिवस, पंचक भद्रा 18-15 से 29-05 तक ९-१० ज्येष्ठ कृ.नवमी/दशमी	**8** १ आर्द्रा 19-42 महासागर दि., वि.ब्रेन ट्यूमर दि. रंभा तृतीया व्रत द्वि.शनिवार २ ज्येष्ठ शु.द्वितीया	**15** ८ उत्तराफाल्गुन 8-14 व्यतिपात पुण्यं राजस संक्रांति(उ.) रामयोग 8-14 से, श्री हर्ष ज. श्री महेश नवमी ९ ज्येष्ठ शु.नवमी	**22** १६ मूल 17-54 अमरनाथ यात्रा प्रा. गु.हरगोविंद सिंह ज.(प्र.मत), ज्येष्ठी पू., कबीर ज. सत्यव्रत १५-१ वट् सावित्री व्रत पारणा(गुज.)	**29** २२ उत्तराभाद्र 8-49 पंचक वि.हस्तमिलाप दि. बोहराष्टमी ८ आषाढ़ कृ.अष्टमी	

सभी विवाह में अबूझ 2,11,13,16,20,23,30

17. ईदुलजुहा (चांद से)

शीघ्र विवाह प्रयोग

आजकल लड़कियों का विवाह बड़ी आयु तक नहीं होने से माता पिता परेशान रहते हैं। अतः उनके लिए एक अनुभूत प्रयोग दिया जा रहा है। लड़की के शीघ्र विवाहार्थ मंदिर में कंबलासन पर बैठकर इस "गौरी मंत्र" का जाप प्रतिदिन प्रातः एवं सायं 3-3 माला लगातार 41-41 दिन के तीन अनुष्ठान करें। प्रत्येक अनुष्ठान के बाद छोटे लड़के व कन्याओं को मीठा भोजन व दक्षिणा के साथ फल देवें।

मंत्र "ॐ क्लीं हे गौरि शंकरार्धांगि यथा त्वं शंकर प्रिया। तथा मा कुरु कल्याणि कांत कांता सुदुर्लभाम् क्लीं ॐ।।"

पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख धन यौवन माया, तीजा सुख सतवंती नारी, चौथा सुख पुत्र आज्ञाकारी, पांचवा सुख सुस्थान वासो, छठवा सुख राज में पासो, सातवा सुख बैकुण्ठ वासो।

भाग्य वर्धक यंत्र

१५	८	१३
१०	१२	१४
११	१६	९

उपरोक्त भाग्य वर्धक (छतीसा) यंत्र को चांदी की अंगूठी पर खुदवा कर रवि पुष्य या गुरु पुष्य में धारण करने से भाग्योदय होता है।

ता. याददास्ती

1........ 2........ 3........ 4........ 5........ 6........ 7........ 8........ 9........ 10........ 11........ 12........ 13........ 14........ 15........ 16........ 17........ 18........ 19........ 20........ 21........ 22........ 23........ 24........ 25........ 26........ 27........ 28........ 29........ 30........

स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त
16. रवि- गंगा दशमी
18. मंगल- निर्जला एकादशी

राजस्थान सरकार की छुट्टियां
9. महाराणा प्रताप जयन्ती

राजस्थान हाई कोर्ट की छुट्टियां
3. से 30. जून ग्रीष्मावकाश
9. महाराणा प्रताप जयन्ती

शिक्षा विभाग की छुट्टियां
9. महाराणा प्रताप जयन्ती
23 जून तक ग्रीष्मावकाश

मांगलिक विचार

लग्न से मंगल 1,4,7,8,12 वां स्थान में होने से जातक मांगलिक होता है। एक कुंडली में मंगल हो तथा दूसरे के इन्हीं स्थानों में शनि या पाप ग्रह हो तो मंगल दोष का परिहार हो जाता है।

राशि दिग्दर्शन चक्र

राशि	नक्षत्र व उनके चरण	नाम के प्रथम अक्षर	राशि	नक्षत्र व उनके चरण	नाम के प्रथम अक्षर
मेष	अश्विनी ४ भर.४ कृत्तिका १	चू चे चो ला लि लू ले लो अ	तुला	चित्रा २ स्वाती ४ विशाखा ३	र री रू रे रो ता ति तू ते
वृष	कृत्तिका ३ रोहिणी ४ मृग. २	इ उ ए ओ वा वि वु वे वो	वृश्चिक	विशाखा १ अनु. ४ ज्येष्ठा ४	तो न नी नू ने नो या यी यू
मिथुन	मृगशीर्ष २ आर्द्रा ४ पुन. ३	क कि कू घ ङ छ के को ह	धनु	मूल ४ पूर्वाषा. ४ उत्तराषा.१	ये यो भ भी भू धा फा ढा भे
कर्क	पुनर्वसु १ पुष्य ४ अश्लेषा ४	ही हू हे हो डा डी डू डे डो	मकर	उ. षा. ३ अभि. ४ श्र. ४ धनि. २	भो ज जी जू जे जो ख खि खू खे खो ग गि
सिंह	मघा ४ पूर्वाफा. ४ उ. फा. १	म मी मू मे मो टा टी टू टे	कुंभ	धनिष्ठा २ शत. ४ पूर्वाभाद्र ३	गू गे गो सा सी सू से सो द
कन्या	उ. फा.३ हस्त ४ चित्रा २	टो प पी पू ष ण ठ पे पो	मीन	पूर्वाभा. १ उ. भाद्र ४ रेवती ४	दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

विक्रेता: ईश्वर लाल बुकसेलर
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोनः 0141-2575532
प्रकाशक: किशोरी शरण एण्ड संस

।। श्री गणेशाय नमः।। ॐ वक्र तुण्ड महाकाय, कोटि सूर्य सम प्रभः। निर्विघ्नं कुरू मे देव सर्व कार्येषु सर्वदा: ।।

किशोर जंत्री (पंचांग)®

संपादक अशोक अग्रवाल

कापी राईट नं. L-123018/2023

प्रकाशक किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

(10 आषाढ़ से 9 श्रावण शाक: 1946)
(24 जिलहिज से 24 मुहर्रम हिजरी सन् 1445-46)

सरकारी छुट्टियों सहित

जुलाई 2024

(आषाढ़ कृष्ण १० से श्रावण कृष्ण ११ तक)
(विक्रम संवत् २०८१, वर्षा ऋतु, सूर्य दक्षिणायने)

रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	णमो अरिहंताणम् णमो सिद्धाणम् णमो आइरियाणम् णमो उवज्झायाणम् णमो लोए सव्व साहूणम्	१० पुष्य 30-03 रवि पुष्य योग राजयोग 30-03 तक सर्वार्थसिद्धियोग चंद्रदर्शन **7** २ वि.क्षमा दि. मे.आषाढ़ी दशहरा रथयात्रा जगन्नाथपुरी मनोरथ द्वितीया व्रत(बं.)	८ चित्रा 22-06 खरसी पूजा(त्रिपुरा) तुला चन्द्र 8-43 जैन अट्ठाई प्र. **14** ८ दुर्गाष्टमी परशुरामाष्टमी(उ.) आषाढ़ शु.अष्टमी	१५ उत्तराषाढ़ 24-14 चातुर्मास प्रा.(सन्या.) मन्वादि मकर चन्द्र 7-27 जैन अट्ठाई पू. **21** १५ आषाढ़ी पू. अमरनाथ यात्रा प्रा. सत्यव्रत, व्यास पूजा गुरु पूर्णिमा आषाढ़ शु.पूर्णिमा	२१ अश्विनी 11-47 वन महोत्सव दि. **28** ८ कालाष्टमी सर्वार्थसिद्धियोग 11-47 तक श्रावण कृ.अष्टमी
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	२४ अश्विनी 6-26 भरणी 29-27 कुमारयोग 6-26 तक ग्रा.विकिटसक दि. यमघंट 6-26 से **1** १० भद्रा 10-26 तक अमृतसर्वार्थसिद्धियोग आषाढ़ कृ. वन महोत्सव सप्ताह प्रा.	१ पुष्य 6-03 मु.मुहर्रम प्र. **8** ३ हि.सन 1446 प्रा. आषाढ़ शु.तृतीया	८ स्वाति 24-30 गुप्त नवरात्रा पू. कुमारयोग 24-30 से श्री हरि ज., रवियोग **15** ९ मे.शरीफ भवानी (काश्मीर) भड़ल्या नवमी आषाढ़ शु.नवमी	१५ श्रवण 22-21 श्रावण वन सोमवार व्रत सर्वार्थसिद्धियोग **22** १ अशून्य शयन व्रत कुमारयोग श्रावण कृ.प्रतिपदा	२२ भरणी 10-55 श्रावण वन सोमवार व्रत वृष चन्द्र 16-45 **29** ९ केर पूजा(त्रिपुरा) भद्रा 29-18 से गु.हरकिशन ज.(प्रा.मत)
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	२५ कृत्तिका 28-40 योगिनी एका.व्रत वृष चन्द्र 11-14 सर्वार्थसिद्धियोग **2** ११ त्रिपुष्कर 8-43 से आषाढ़ कृ.एकादशी	२ अश्लेषा 7-52 विनायक चतुर्थी सिंह चन्द्र 7-52 **9** ३ सर्वार्थसिद्धियोग भद्रा 18-57 से रवियोग 7-52 से	९ विशाखा 26-14 (मु.)आशा दशमी व्रत वृश्चिक चन्द्र 19-52 कतल की रात(मु.) मन्वादि **16** १० मनसा पू.प्रा.(बं.) पुनर्यात्रा, गिरिजा पूजा कर्क संक्रां. गुप्त नवरात्रोत्थापन	१६ धनिष्ठा 20-18 पंचक 9-20 से कुम्भ चन्द्र 9-20 मंगला गौरी पू. **23** २ भद्रा 20-57 से श्री तिलक ज. भा.श्रावण प्रा. जया पार्वती व्रत जागरण(गुज.) गु.हरकिशन ज.(न.मत)	२३ कृत्तिका 10-23 मंगला गौरी पू. सर्वार्थसिद्धियोग 10-23 तक **30** १० भद्रा 16-45 तक कुमारयोग श्रावण कृ.दशमी
बुधवार Wednesday बुध	२६ रोहिणी 28-07 रोहिणी व्रत (जैन) सर्वार्थसिद्धियोग 28-07 तक **3** १२ भद्रा 29-54 से प्रदोष व्रत आषाढ़ कृ.द्वादशी	३ मघा 10-15 रवियोग 10-15 तक कुमारयोग 7-52 से **10** ४ भद्रा 7-52 तक व्यतिपात पुण्यं आषाढ़ शु.चतुर्थी	१० अनुराधा 27-12 राजयोग मुहर्रम(ताजिया) पंढरपुर यात्रा **17** ११ भद्रा 8-54से21-03तक देवशयनी एका.व्रत चातुर्मास प्रा. आषाढ़ शु.एकादशी	१७ शतभिषा 18-14 चंद्रोदय 21-45 कुमारयोग 28-40 से **24** ३-४ पंचक भद्रा 7-30 तक चतुर्थी व्रत जया पार्वती व्रत पारणा	२४ रोहिणी 10-12 रोहिणी व्रत (जैन) मिथुन चंद्र 22-15 **31** ११ कुमारयोग, राजयोग कामिका एका.व्रत मु.प्रेमचंद ज. श्रावण कृ.एकादशी
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	२७ मृगशिर 27-54 मास शिवरात्रि मिथुन चंद्र 15-58 **4** १३-१४ भद्रा 17-23 तक स्वा.विवेकानंद पु.दिवस	४ पूर्वाफाल्गुन 13-04 संत सांई टेऊँराम ज. कन्या चन्द्र 19-49 जनसंख्या दि. रवियोग **11** ५ श्रीयां पंचमी(उ.) कुमार षष्ठी व्रत स्कंद पंचमी श्री वल्लभाचार्य बैकुंठगमन	११ ज्येष्ठा 27-25 धनु चन्द्र 27-25 हरिवासरारम्भ **18** १२ रवियोग 27-25 से वामन पूजा आषाढ़ शु.द्वादशी	१८ पूर्वभाद्र 16-16 पंचक मीन चन्द्र 10-45 **25** ५ नाग पंचमी(राज.) श्रावण कृ.पंचमी	शुभ विवाह जुलाई 1 ... मुहूर्त 1 6 ... मुहूर्त 1 7,8, ... 21, 25,26,27,28,31 जुलाई 4, ... जुलाई उपनयन ... जुलाई मुहूर्त
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	२८ आर्द्रा 28-06 आषाढ़ी अमा. सर्वार्थसिद्धियोग **5** ३० कुमारयोग 28-27 से देवपितृकार्य अमा. आषाढ़ कृ. गु.हरगोविंद सिंह ज.(न.मत)	५ उत्तराफाल्गुन 16-09 रवियोग महावीर स्वामी कल्याणक **12** ६ कुसुंबा, कर्दम षष्ठी(बं.) विवस्त सप्तमी आषाढ़ शु.छठ	१२ मूल 26-55 जया पार्वती व्रत प्रा.(गुज.) **19** १३ रवियोग 23-10 तक प्रदोष व्रत आषाढ़ शु.त्रयोदशी	१९ उत्तराभाद्र 14-30 रवियोग 14-30 से अमृतसर्वार्थसिद्धियोग 14-30 से **26** ६ भद्रा 23-31 से पंचक श्रावण कृ.छठ	1 ... मुहर्रम (ताजिया) ... 7 रथ यात्रा (ऐच्छिक) छुट्टियाँ
शनिवार Saturday शनीचर	२९ पुनर्वसु 28-47 कर्क चन्द्र 22-34 **6** १ त्रिपुष्कर 28-26 से गुप्त नवरात्रा प्र. आषाढ़ शु.प्रतिपदा	६ हस्त 19-15 द्वि.शनिवार मत्स्य दि.(काश्मीर) यमघंट 19-15 तक **13** ७ भद्रा 15-06 से 28-19 तक सूर्य पूजा आषाढ़ शु.सप्तमी	१३ पूर्वाषाढ़ 25-48 कोकिला व्रत प्रा. वैधृति पुण्यं चौमासी चौदस(जैन) वायु परीक्षा 19-17 **20** १४ मे.ज्वालामुखी प्रा.(का.) भद्रा 18-00से28-57तक चांद्र पू.व्रत शिव शयन चतुर्दशी(उ.)	२० रेवती 13-00 रवियोग पंचक 13-00 तक मेष चन्द्र 13-00 **27** ७ भद्रा 10-23 तक शीतला सप्तमी(उ.) श्रावण कृ.सप्तमी	"त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुतं त्रिजन्म पाप संहारं बिल्व पत्रं शिवार्पणं श्री भगवते सांब शिवाय नमः। बिल्व पत्रं समर्पयामि॥"

ता. याददास्ती
2 ....
3 ....
4 ....
5 ....
6 ....
7 ....
8 ....
9 ....
10 ....
11 ....
12 ....
13 ....
14 ....
15 ....
16 ....
17 ....
18 ....
19 ....
20 ....
21 ....
22 ....
23 ....
24 ....
25 ....
26 ....
27 ....
28 ....
29 ....
30 ....
31 ....

16 ... (ऐच्छिक)
15. सोम- भड़ल्या नवमी अबूझ मुहूर्त
17. बुध -देवशयनी एकादशी
21 गुरु पूर्णिमा (ऐच्छिक) छुट्टियाँ
11. विश्व जनसंख्या दिवस
21. गुरु पूर्णिमा
23. लोकमान्य तिलक जयंती

वार	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
रवि	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.
चंद्र	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.
मंगल	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.
बुध	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.
गुरु	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.
शुक्र	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.
शनि	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.	र.	शु.	बु.	चं.	श.	गु.	मं.

होरा सूर्योदय से प्रारंभ होता है। प्रत्येक होरा का समय एक घण्टा है। स्वराशि स्वामी व मित्र ग्रहों का होरा शुभ एवं शत्रु ग्रहों का होरा अशुभ होता है। सूर्य - टेंडर देने, नौकरी, राजकार्य हेतु। चंद्र - सर्व कार्यों हेतु शुभ। मंगल - युद्ध, विवाद, द्यूत, यात्रा, सभा सोसायटी में जाना, कर्ज देना। बुध - विद्या, कला, काव्यारंभ, कोष संग्रह, व्यापार, प्रकाशन, प्रार्थना पत्र देने हेतु। गुरु - विवाह संबंधी कार्य, बड़ों से मिलन, कोष संग्रह, लेखन, प्रकाशन, शुभ कार्य। शुक्र - यात्रा, नवीन वस्त्र, आभूषण, सौभाग्य वर्धक कार्य, सिनेमा शूटिंग। शनि - द्रव्य संग्रह, भूमि, मकान की नींव, नूतन गृह प्रवेश, मशीनरी, मिल्स कार्यारंभ व समस्त स्थिर कार्यों हेतु शुभ होता है।

अधिकृत थोक विक्रेता :-
ईश्वर लाल बुकसेलर
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोन: 0141-2575532

प्रकाशक :-
किशोरी शरण एण्ड संस

श्री बुध का जप मंत्र :- ॐ बुं बुधाय नमः।। (जय जय श्री राधा वल्लभ श्री हित हरिवंश, जय जय श्री वृंदावन श्री वन चन्द्र॥ जय जय श्री राधे)

Composing By. Saurabh

॥ श्री गणेशाय नमः॥ ॐ वक्र तुण्ड महाकाय, कोटि सूर्य सम प्रभः। निर्विघ्नं कुरू मे देव सर्व कार्येषु सर्वदा: ॥

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादक:
अशोक अग्रवाल

कापी राईट नं. L-123018/2023

प्रकाशक:
किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

सरकारी छुट्टियों सहित

अगस्त 2024

(10 श्रावण से 9 भाद्रपद शाकः 1946)
(25 मुहर्रम से 25 सफर हिजरी सन् 1446)

(श्रावण कृष्ण १२ से भाद्रपद कृष्ण १३ तक)
(विक्रम संवत् २०८१, वर्षा-शरद ऋतु, सूर्य दक्षिणायने)

वार						
रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	गृहारंभ (नींव) मुहूर्त 1,12,19,23,28,31 अग. प्राचीन गृह प्रवेश मुहूर्त 1,2,7,9,10,12,14,17,19 प्रसूति स्नान मुहूर्त 11, 22 अगस्त व्यापार प्रारंभ मुहूर्त 1,9,10,11,14,17,23, 24,26,28,31 अगस्त	२८ पुष्य 13-26 रवि पुष्य योग **4** ३० हरियाली अमा. श्रावण कृ.अमावस्या देवपितृकार्य अमा. सर्वार्थसिद्धियोग नाग व्रत प्रा. सस्स माधुरी ज. ककट पूजा(केरल)	७ स्वाति 32-33 **11** ७ भानु सप्तमी श्रावण शु.सप्तमी शीतला सप्तमी(सिंध) कल्याणधणी पदयात्रा प्रा.	१४ उत्तराषाढ 10-15 रवियोग 10-15 से **18** १४ श्रावण शु.चतुर्दशी सर्वार्थसिद्धियोग 10-15 तक भद्रा 27-05 से शिव पवित्रारोपण(उ.)	१९ भरणी 16-45 चेहलम(मु.) **25** ७ शीतला सप्तमी भाद्रपद कृ.सप्तमी त्रिपुष्कर 16-45 से वृष चन्द्र 22-29 भद्रा 16-31 तक अगस्त्य उदय थदड़ी	
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	गंडमूल के नक्षत्र:- अश्विनी, मूल, अश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, रेवती। यह 6 नक्षत्र गंडमूल नक्षत्र कहलाते है। इन नक्षत्रों में जन्मे बच्चों के लिए शांति पाठ अवश्य कराना चाहिए।	२९ अश्लेषा 15-21 श्रावण वन सोमवार व्रत **5** १ व्यतिपात पुण्यं श्रावण शु.प्रतिपदा सिंह चंद्र 15-21 कुमारयोग 15-21 से	६ स्वाति 8-33 गो.तुलसीदास ज. **12** ७ वि.युवा दि. श्रावण वन सोमवार व्रत वृश्चिक चंद्र 28-15 दुर्वाष्टमी व्रत भद्रा 7-56से20-49तक यमघंटयोग	१३ श्रवण 8-10 धनिष्ठा 29-45 पंचक 19-00से **19** १५ श्रावणी पू. कोकिला व्रत,अमरनाथ यात्रा स. संस्कृत दि., रक्षाबंधन हयग्रीव ज., सत्यव्रत मकर चन्द्र 19-00 भद्रा 13-33 तक झूलन यात्रा पू. श्रावण वन सोम.व्रत,ऋक उपा.	२० कृत्तिका 15-55 श्री कृष्ण जन्माष्टमी **26** ८ कालाष्टमी भाद्रपद कृ.अष्टमी सर्वार्थसिद्धियोग मन्वादि श्री कृष्ण ज. संत ज्ञानेश्वर ज.	
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	शारीरिक रोग निवारण हेतु लघु मृत्युंजय जप मंत्र- ॐ जूं सः। इस मंत्र का प्रत्येक सोमवार को रात्रि 9 बजे बाद सवा पाव कच्चा दूध (यथा संभव गाय का) पूर्व दिशा में मुँह करके शिवलिंग पर चढ़ाते हुए उक्त मंत्र का जप करने से भयंकर रोग भी मिट जाते है।	३० मघा 17-44 सिंजारा **6** २ श्रावण शु.द्वितीया चंद्रदर्शन मंगला गौरी पू.	८ विशाखा 10-44 मंगला गौरी पू. **13** ८ दुर्गाष्टमी श्रावण शु.अष्टमी रवियोग 10-44 से भौमाष्टमी मे.नैना देवी(हि.प्र.)	१४ शतभिषा 27-09 मे.गोगामेड़ी प्रा. **20** १ सद्भावना दि. भाद्रपद कृ.प्रतिपदा त्रिपुष्कर 27-09 से पंचक राजीव गांधी ज. गायत्री पुनःश्चरण प्रा.	२१ रोहिणी 15-38 मु.मे.गोगामेड़ी **27** ९ गोगा नवमी भाद्रपद कृ.नवमी मिथुन चंद्र 27-41 रोहिणी व्रत (जैन) नन्द महोत्सव	
बुधवार Wednesday बुध	शिवार्चन हेतु प्रमुख तिथियाँ (तिथि की गणना शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से करनी चाहिये) कृष्ण पक्ष-1,4,5,6,8,11,12,13,30 शुक्ल पक्ष- 2,5,6,7,9,12,13,14	पूर्वाफाल्गुन 20-30 मे.तीज(जयपुर) **7** ३ लघु तृतीया व्रत श्रावण शु.तृतीया कन्या चन्द्र 27-15 श्री सेवक ज. मु.सफर प्रा. रवियोग,राजयोग मधुश्रवा,हरियाली तीज	८ अनुराधा 12-13 श्री हरि ज. **14** ९ श्रावण शु.नवमी रवियोग अमृतसर्वार्थसिद्धियोग 12-13 तक	१५ पूर्वभाद्र 24-33 राजयोग 24-33 से **21** २ पंचक भाद्रपद कृ.द्वितीया मीन चन्द्र 19-12 भद्रा 27-25 से अशून्य शयन व्रत	२२ मृगशिर 15-53 **28** १० भाद्रपद कृ.दशमी सर्वार्थसिद्धियोग 15-53 तक भद्रा 13-23 से 25-20 तक	
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	२५ मृगशिर 10-24 प्रदोष व्रत **1** १२ श्रावण कृ.द्वादशी वि.स्तनपान स. तिलक पु.ति.	२ उत्तराफाल्गुन 23-34 मे.तीज दूसरा दिन **8** ४ रवियोग श्रावण शु.चतुर्थी श्रवण तप.प्रा.(जैन) दूर्वा गणपति व्रत भद्रा 11-20 से 24-37 तक वरद् विनायक चतुर्थी	९ ज्येष्ठा 12-53 स्वतंत्रता दिवस **15** १० वैधृति पुण्य पारसी सन् 1394 प्रा. धनु चन्द्र 12-53 झूलन यात्रा प्र. प्रदोष भद्रा 22-10 से रवियोग 12-53 तक	१५ उत्तराभाद्र 22-05 कज्जली तीज व्रत पंचक **22** ३ सातुड़ी तीज मे.कज्जली तीज प्रा.(बूंदी) संकष्ट चतुर्थी व्रत चंद्रोदय 20-52 भद्रा 13-46 तक शरद् ऋतु प्रा.,बहुला चौथ	२३ आर्द्रा 16-39 रा.खेल दि. **29** ११ भाद्रपद कृ.एकादशी सर्वार्थसिद्धियोग 16-39 से अजा एका.व्रत (स्मा.,वैष्ण.)
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	२६ आर्द्रा 10-59 मास शिवरात्रि **2** १३ श्रावण कृ.त्रयोदशी कर्क चन्द्र 29-41 सर्वार्थसिद्धियोग भद्रा 15-27 से 27-36 तक	३ हस्त 26-44 वि.आदिवासी दि. **9** ५ जीवंतिका पू. श्रावण शु.पंचमी नाग पंचमी(देशाचारे) जागृत गौरी पंचमी(उ.)	१० मूल 12-44 दामोदर द्वादशी **16** ११ जीवंतिका पू. मनसा पू.पूर्ण(बं.) झूलन यात्रा प्रा.,सिंह संक्रां. पवित्रा एका.व्रत भद्रा 9-40 तक वरद् लक्ष्मी व्रत	१८ रेवती 19-54 पंचक 19-54 तक जीवंतिका पू. **23** ४ मे.रा.भाद्रपद प्रा. मे.कज्जली तीज पू.(बूंदी) अमृतसर्वार्थसिद्धियोग मेष चन्द्र 19-54 श्रवण तप.पू.(जैन) रक्षा पंचमी(उ.)	२४ पुनर्वसु 17-56 पक्षवर्धिनी महाद्वादशी व्रत **30** १२ बीछ बारस अजा एका.व्रत(निंबा.) कर्क चन्द्र 11-34 जीवंतिका पू. वत्स द्वादशी व्यतिपात पुण्यं,राजयोग
शनिवार Saturday शनीचर	२८ पुनर्वसु 11-59 **3** १४ श्रावण कृ.चतुर्दशी	४ चित्रा 29-49 द्विपुष्कर 29-45से **10** ६ कल्की ज. राधण छठ श्रावण शु.छठ मु.नमीनाथ ज.(जैन) अश्वत्थ मारुती पू.	११ पूर्वाषाढ 11-49 विष्णु पवित्रारोपण **17** १२-१३ शनि प्रदोष व्रत मकर चन्द्र 17-29 अश्वत्थ मारुती पू. पवित्रा द्वादशी आखेटक त्रयोदशी(उ.)	१८ अश्विनी 18-06 चंद्रोदय 22-06 **24** ५-६ ललही छठ बलदेव ज.,हल षष्ठी अश्वत्थ मारुती पू. चाँद छठ व्रत भद्रा 29-31 से	२५ पुष्य 19-39 अश्वत्थ मारुती पू. **31** १३ शनि प्रदोष व्रत भाद्रपद कृ.त्रयोदशी जैन पर्युषण प्रा. भद्रा 27-41 कैलाश यात्रा 2	

ता. याददास्ती

1.......... 2.......... 3.......... 4.......... 5.......... 6.......... 7.......... 8.......... 9.......... 10.......... 11.......... 12.......... 13.......... 14.......... 15.......... 16.......... 17.......... 18.......... 19.......... 20.......... 21.......... 22.......... 23.......... 24.......... 25.......... 26.......... 27.......... 28.......... 29.......... 30.......... 31..........

दुकान की छुट्टी व समय छूट
4. व 5. मे.हरि.अमा. (उदय.)
7. मेला तीज (एक दिन)
15. स्वतन्त्रता दिवस
19. रक्षाबन्धन
22. सातुड़ी तीज (बीकानेर)
26. श्री कृष्ण जन्माष्टमी

स्वतंत्रता एवं संविधान दोनों देश के विकास के लिये है।

राजस्थान सरकार की छुट्टियाँ	राजस्थान में बैंक की छुट्टियाँ	हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियाँ	शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ	भारत सरकार की छुट्टियाँ
9. विश्व आदिवासी दिवस 15. स्वतन्त्रता दिवस 19. रक्षाबन्धन 25. थदड़ी (ऐच्छिक) 26. जन्माष्टमी 27. जन्माष्टमी (केवल कोटा में)	15. स्वतंत्रता दिवस 19. रक्षाबन्धन 26. जन्माष्टमी	9. विश्व आदिवासी दिवस 15. स्वतन्त्रता दिवस 19. रक्षाबन्धन 25. थदड़ी (ऐच्छिक) 26. जन्माष्टमी 27. जन्माष्टमी (केवल कोटा में)	9. विश्व आदिवासी दिवस (अवकाश) 15. स्वतन्त्रता दिवस (उत्सव, अवकाश) 19. रक्षाबन्धन (अवकाश) 19. संस्कृत दिवस (उत्सव) 22. से 24. प्रथम परख आयोजन 26. जन्माष्टमी (अवकाश, उत्सव)	15. स्वतंत्रता दिवस 15. पारसी नव वर्ष (ऐच्छिक) 19. रक्षाबंधन (ऐच्छिक) 26. जन्माष्टमी

दिशाशूल परिहार- दिशाशूल में यात्रा करनी जरूरी हो तो रवि को पान, सोम को चंदन, मंगल को मिट्टी, बुध को पुष्प, गुरू को दही, शुक्र को घी, शनिवार को तिल दान करने से दिशाशूल मिटता है।

दिशाशूल विचार- सोम, शनि पूर्व में, मंगल, बुध उत्तर में, गुरू दक्षिण में, रवि शुक्र पश्चिम में, दिशाशूल होता है। दिशाशूल पीछे व बायां शुभ एवं सामने व दाहिने अशुभ होता है। इसका दोष सोम, मंगल, शनि का दिन में तथा गुरू, शुक्र, रवि को रात्रि में नहीं होता है। बुध को दोष लगता है।

शिव वास ज्ञान- वर्तमान तिथि को 2 से गुणा करके 5 जोड़े, फिर 7 का भाग देवें, शेष 1 से कैलाश में, 2 से गौरी पार्श्व में, 3 से वृषारूढ़ में श्रेष्ठ व 4 से सभा में सामान्य, 5 से ज्ञान बेला में भी श्रेष्ठ, केवल 6 से क्रीड़ा में तथा 0 से शमशान में अशुभ होता है।

दिशाशूल परिहार- दिशाशूल में यात्रा करनी जरूरी हो तो रवि को घी, सोम को दूध, मंगल को गुड़, बुध को तिल, गुरू को दही, शुक्र को जौ, शनिवार को तेल की बनी वस्तु या उड़द खाकर जाने से दिशाशूल मिटता है।

अधिकृत थोक विक्रेता :-
ईश्वर लाल बुकसेलर
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोन: 0141-2575532
प्रकाशक:-
किशोरी शरण एण्ड संस

श्री गुरू (बृहस्पति) का जप मंत्र :- ॐ बृं बृहस्पतये नमः ।। (सज्जन रे झूठ मत बोलो, खुदा के पास जाना है, न हाथी है न घोड़ा है, वहाँ पैदल ही जाना है।)

Composing By: Saurabh

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादक: अशोक अग्रवाल
कापी राईट नं. L-123018/2023
प्रकाशक: किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

सरकारी छुट्टियों सहित

(10 भाद्रपद से 8 आश्विन शाक: 1946)
(26 सफर से 26 रवि उल अव्वल हिजरी सन् 1446)

सितम्बर 2024

(भाद्रपद कृष्ण १४ से आश्विन कृष्ण १३ तक)
(विक्रम संवत् २०८१, शरद् ऋतु, सूर्य दक्षिणायने)

वार					
रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	**1** अश्लेषा 21-49, यमघंट योग, मास शिवरात्रि, जैन पर्युषण प्रा.(पंचमी पक्ष)	**8** स्वाति 15-31, मे.गढ़गणेश जी, ऋषि पंचमी, जैन संवत्सरी (पंचमी पक्ष)	**15** श्रवण 18-49, पंचक 29-44 से, इंजीनियर्स डि., विजया महाद्वादशी व्रत	**22** कृतिका 23-02, कृतिका का श्राद्ध, सूर्य दक्षिणायने, आश्विन कृ.पंचमी	**29** मघा 30-18, द्वादशी, मघा का श्राद्ध, आश्विन कृ.द्वादशी
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	**2** मघा 24-20, सोमवती अमा., पितृकार्य अमा., भाद्रपद कृ.अमावस्या	**9** विशाखा 18-04, वैधृति पुण्यं, कार्तिक स्वामी दर्शन	**16** धनिष्ठा 16-33, गोत्रि रात्रि व्रतारंभ, कन्या संक्रांति, भाद्रपद शुक्ल त्रयोदशी	**23** रोहिणी 22-07, रोहिणी व्रत (जैन), भार.आश्विन प्रा., आश्विन कृ.छठ	**30** पूर्वाफाल्गुन 33-16, त्रयोदशी का श्राद्ध, मास शिवरात्रि, आश्विन कृ.त्रयोदशी
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	**3** पूर्वाफाल्गुन 27-10, भाद्रपद कृ.अमावस्या	**10** अनुराधा 20-04, मुक्ताभरण सप्तमी, भाद्रपद शु.7, संतान,दुबड़ी,ललिता सप्तमी	**17** शतभिषा 13-53, चांद्र पू.व्रत, पंचक, अनंत चतुर्दशी व्रत	**24** मृगशिर 21-54, अष्टमी का श्राद्ध, व्यतिपात पुण्यं, आश्विन कृ.सप्तमी	
बुधवार Wednesday बुध	**4** उत्तराफाल्गुन 30-14, आखिरी चाहर शंबा(मु.), मौन व्रत प्रा., भाद्रपद शु.प्रतिपदा	**11** ज्येष्ठा 21-22, विनोबा भावे,भूदान ज., राधाष्टमी व्रत, मे.भृतहरि प्रा.3दिन(अलवर)	**18** पूर्वाभाद्र 11-00, क्षमावाणी पर्व, चंद्रग्रहण अदृश्य, सत्यव्रत, गु.अमरदास पु.दि.(प्रा.मत)	**25** आर्द्रा 22-23, मातृ नवमी, आश्विन कृ.अष्टमी	
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	**5** उत्तराफाल्गुन 6-14, डॉ.राधाकृष्णन ज., शिक्षक दि., भाद्रपद शु.द्वितीया	**12** मूल 21-53, श्री हरि ज., अदु:ख नवमी, भाद्रपद शु.नवमी	**19** उत्तराभाद्र 8-04, रेवती 29-15, द्वितीया का श्राद्ध, आश्विन कृ.द्वितीया	**26** पुनर्वसु 23-34, दशमी का श्राद्ध, गुरू पुष्य योग, आश्विन कृ.नवमी	
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	**6** हस्त 9-25, हरतालिका तीज व्रत, कलंक चौथ, गौरी तृतीया व्रत, गु.रामदास पु.दि.(प्रा.मत)	**13** पूर्वाषाढ 21-35, सुगंध धूप दशमी, तेजा दशमी, भाद्रपद शु.दशमी	**20** अश्विनी 26-43, तृतीया का श्राद्ध, आश्विन कृ.तृतीया	**27** पुष्य 25-20, वि.पर्यटन दि., आश्विन कृ., गु.नानकदेव पु.दि.(प्रा.मत)	
शनिवार Saturday शनीचर	**7** चित्रा 12-34, सर्वार्थसिद्धियोग, अंगारक चतुर्थी, मे.मोती डूंगरी गणेशजी	**14** उत्तराषाढ 20-32, डोल ग्यारस(म.प्र.), हिं.दि., परिवर्तनी एका., जलझूलनी एका.व्रत	**21** भरणी 24-36, चंद्रोदय 20-42, चतुर्थी व्रत, आश्विन कृ.चतुर्थी	**28** अश्लेषा 27-38, विश्व रेबीज दि., आश्विन कृ.एकादशी	

गणेश पूजन मुहूर्त

7 सितंबर को मध्याह्न समय में चतुर्थी होने से गणेश चतुर्थी इसी दिन मनायी जायेगी। मध्याह्न समय- दोपहर 11-15 से 13-46 बजे तक, जिसमें दोपहर 12-04 से 12-56 बजे तक मध्याह्न काल सहित वृश्चिक लग्न सर्वश्रेष्ठ रहेगा। गणेश पूजन चौघड़िया मुहूर्त-शुभ का चौघड़िया प्रातः 7-45 से 9-18, चर, लाभ व अमृत का चौघड़िया दोपहर 12-24 से 17-03 तक रहेगा।

प्रसूति स्नान मुहूर्त
5, 8, 10 सितम्बर

व्यापार प्रारंभ मुहूर्त
4, 5, 6, 14 सितम्बर

गृहारंभ (नींव) मुहूर्त
4.बुध, 5.गुरू, 14.शनि

व्यापार वृद्धि कारक यंत्र

५०	५७	२	७
६	३	५४	५३
५६	५१	८	१
४	५	५२	५५

विधि- इस यंत्र को नदी से पानी लेकर उसमें केसर घोलकर चमेली की कलम से भोजपत्र पर लिखें। शुक्रवार के दिन पवित्र होकर 700 यंत्र लिखें, फिर एक यंत्र अपने पास रखकर बाकी के यंत्र आटे की गोलियों में भरकर मछलियों को खिला दें। एक यंत्र अपनी दुकान पर भी लिख दें। इससे व्यापार संबंधी सभी विघ्न बाधाऐं दूर होकर बिक्री मे बढ़ोत्तरी व लाभ होगा।

ता. याददास्ती

1 ......
2 ......
3 ......
4 ......
5 ......
6 ......
7 ......
8 ......
9 ......
10 ......
11 ......
12 ......
13 ......
14 ......
15 ......
16 ......
17 ......
18 ......
19 ......
20 ......
21 ......
22 ......
23 ......
24 ......
25 ......
26 ......
27 ......
28 ......
29 ......
30 ......

दुकान की छुट्टी व समय छूट

7. गणेश चतुर्थी
8. व 9. मेला छठ (धौलपुर)
13. व 14.मे.तेजाजी (ब्यावर)
14. जलझूलनी एका. (उदय.)

स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त
7. शनि- गणेश चतुर्थी

नोट-18 सितंबर को खंडग्रास चंद्रग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा,अत: यह ग्रहण और इसका सूतक भारत में मान्य नहीं होगा।

राजस्थान सरकार की छुट्टियाँ

7. गणेश चतुर्थी (ऐच्छिक)
8. सम्वत्सरी (ऐच्छिक)
13. बाबा रामदेव जयन्ती/तेजा दशमी
16. बारावफात (चांद से)
18. अनन्त चतुर्दशी (ऐच्छिक)

राजस्थान में बैंक की छुट्टियाँ

कोई अवकाश नहीं है।

यात्रा में चन्द्र विचार-जिस दिशा में यात्रा करनी हो उसी दिशा का एवं दाहिना चंद्रमा उत्तम तथा पीछे व बायां चंद्रमा अशुभ होता है। यथा:- "संमुखो अर्थलाभाय दक्षिणे सुख संपद: पृष्ठतो मरणं चैव वामे चन्द्रे धन क्षय:॥"

हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियाँ

7. गणेश चतुर्थी (ऐच्छिक)
8. संवत्सरी (ऐच्छिक)
13. बाबा रामदेव जयन्ती/तेजा दशमी
16. बारावफात (चांद से)
18. अनन्त चतुर्दशी (ऐच्छिक)

चंद्र दिशा ज्ञान-मेष, सिंह, धनु का चंद्रमा पूर्व में, वृष, कन्या, मकर का दक्षिण में, मिथुन, तुला, कुंभ का पश्चिम में व वृश्चिक, कर्क, मीन राशि का चंद्रमा उत्तर दिशा में होता है।

शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ

5. शिक्षक दिवस (उत्सव)
8. विश्व साक्षरता दिवस (उत्सव)
13. बाबा रामदेव जयन्ती (अव., उत्सव)
14. हिन्दी दिवस (उत्सव)
16. बारावफात (चांद से)
23. किशोर जागृति दिवस (उत्सव)

कर्तव्य निर्वाह करते हुए जीवन को सुन्दर एवं सार्थक बनावें

भारत सरकार की छुट्टियाँ

7. गणेश चतुर्थी (ऐच्छिक)
15. ओणम् (ऐच्छिक)
16. ईद-ए-मिलाद (चांद से)

पंचक समय व निषेध:- कुंभ चंद्रमा के प्रवेश से मीन चंद्रमा के समाप्ति काल के मध्य का समय पंचक कहलाता है। पंचक काल में तृण,काष्ठ संग्रह, दक्षिण यात्रा, शैय्या बनाना, घर की छावण व प्रेत दाह करना अशुभ माना जाता है।

संकट की घड़ी से निवृत होने के लिए अचूक मंत्र-आपदाम् पहर्तारं दातारं सर्व संपदाम्। लोकाभिरामं श्रीरामं भूयो भूयो नमाम्यहम्॥ इस मंत्र को चैत्र या आश्विन मास के नवरात्रों में अधिकाधिक जपने से संकट की घड़ी का निवारण होकर विशेष फल की प्राप्ति होती है।

अधिकृत थोक विक्रेता :- ईश्वर लाल बुकसेलर
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोन: 0141-2575532
प्रकाशक :- किशोरी शरण एण्ड संस

श्री शुक्र का जप मंत्र :- ॐ शुं शुक्राय नम:।। (प्रारब्ध पहले रचा, पीछे रचा शरीर। तुलसी चिंता क्यों करे, भज ले श्री रघुवीर॥)

Composing By: Saurabh

॥ श्री गणेशाय नमः॥ ॐ वक्र तुण्ड महाकाय, कोटि सूर्य सम प्रभः। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्व कार्येषु सर्वदाः ॥

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादकः अशोक अग्रवाल
कापी राईट नं. L-123018/2023
प्रकाशक : किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

सरकारी छुट्टियों सहित

अक्टूबर 2024

9 आश्विन से 9 कार्तिक शाक: 1946)
27 रवि उल अव्वल से 27 रवि उल सानि हि.सन् 1446)

(आश्विन कृष्ण १४ से कार्तिक कृष्ण १४ तक)
(वि. सं.२०८१, शरद-हेमंत ऋतु, सूर्य दक्षिणायने)

वार						ता. याद्दास्ती
रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	गृहारंभ (नींव) मुहूर्त 21, 24 अक्टूबर; व्यापार प्रारंभ मुहूर्त 3,7,11,18,21,24,28,30; प्रसूति स्नान मुहूर्त 15, 17 अक्टूबर; उग्र देव प्रतिष्ठा मुहूर्त 18, 21, 24 अक्टूबर; प्राचीन गृह प्रवेश मुहूर्त 21, 23, 24, 28 अक्टूबर	**6** ३ — विशाखा 24-11, विनायक चतुर्थी, वृश्चिक चंद्र 17-33, माता चतुर्थी(उ.), रवियोग 24-11 तक, भद्रा 20-52 से, आश्विन शु.तृतीया	**13** १० — धनिष्ठा 26-51, पंचक 15-44 से, कुंभ चन्द्र 15-44, नवरात्रोत्थापन, रवियोग, भद्रा 20-00 से, महानवमी व्रत, भरत मिलाप, पापांकुशा एका.व्रत(स्मा.)	**20** ३-४ — कृतिका 8-31, दशरथ चतुर्थी, वि.एकता दि., रोहिणी व्रत(जैन), चंद्रोदय 20-07, करक(करवा)चौथ व्रत, भद्रा 6-46 तक, व्यतिपात पुण्य, गु.हरिराय पु.दि.(न.मत)	**27** ११ — मघा 12-24, रमा एका.व्रत(स्मा.), रवियोग 12-24 तक, कार्तिक कृ.एकादशी	1 .... 2 .... 3 .... 4 .... 5 ....
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	घट स्थापना समय- दि.3 अक्टू. को द्विस्वभाव कन्या लग्न व शुभ का चौघड़िया प्रातः 6-24 से 7-52 बजे तक व अभिजित समय दोपहर 11-52 से 12-30 तक श्रेष्ठ।	**7** ४ — अनुराधा 26-25, रवियोग 26-25 से, उपांग ललिता व्रत, ललिता पंचमी, भद्रा 9-48 तक, सर्वार्थसिद्धियोग 26-25 तक, आश्विन शु.चतुर्थी	**14** ११-१२ — शतभिषा 24-43, पंचक, पापांकुशा एका.व्रत (वैष्ण.,निम्बा.), भद्रा 6-42 तक, वि.मानक दि., त्रिस्पृशा महाद्वादशी व्रत	**21** ५ — रोहिणी 6-50, मृगशिर 29-50, मिथुन चन्द्र 18-15, रवियोग, गु.गोविंद सिंह पु.दि.(न.मत), अमृतसिद्धियोग, कार्तिक कृष्ण पंचमी	**28** ११ — पूर्वाफाल्गुन 15-24, गोवत्स द्वादशी, कन्या चन्द्र 22-11, रमा एका.व्रत(वैष्ण.), बीछ बारस, कार्तिक कृ.एकादशी	6 .... 7 .... 8 .... 9 .... 10 .... 11 ....
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)		**1** १४ — पूर्वाफाल्गुन 9-16, वि.वृद्धजन दि., कन्या चन्द्र 16-02, वि.शाकाहार दि., भद्रा 8-22 तक, चतुर्दशी का श्राद्ध, आश्विन कृ.चतुर्दशी	**8** ५ — ज्येष्ठा 28-08, भारतीय वायुसेना दि., धनु चन्द्र 28-08, कुमारयोग, रवियोग 28-08 तक, नत पंचमी(उ.), आश्विन शु.पंचमी	**15** १३ — पूर्वाभाद्र 22-08, भौम प्रदोष व्रत, मीन चन्द्र 16-49, सर्वार्थसिद्धियोग, न्यारसी शरीफ(मु.), पंचक, आश्विन शु.त्रयोदशी	**22** ६ — आर्द्रा 29-39, रवियोग 29-39 तक, कर्क चन्द्र 29-39 से, पुष्यांग 29-39, भद्रा 25-29 से, कार्तिक कृ.छठ	**29** १२ — उत्तराफाल्गुन 18-34, भौम प्रदोष व्रत, तुला चन्द्र 10-32 तक, धनतेरस, धन त्रयोदशी, यम दीपदान निमित्त, कार्तिक कृ.द्वादशी	12 .... 13 .... 14 .... 15 .... 16 .... 17 ....
बुधवार Wednesday बुध		**2** ३० — उत्तराफाल्गुन 12-23, म.गांधी,शास्त्री ज., सर्व पितृ श्राद्ध, पितृविसर्जनी अमा., कंकणाकृति सूर्यग्रहण (भारत में अदृश्य), महालय समा., आश्विन कृ.अमावस्या	**9** ६ — मूल 29-15, जैन ओली प्रा., रवियोग,कुमारयोग, तप षष्ठी(उ.), सरस्वती आह्वान, वि.डाक दि., रवियोग 29-15 तक, मे.छठ(आमेर), गु.रामदास ज.(न.मत)	**16** १४ — उत्तराभाद्र 19-18, चांद्र पू.व्रत, शरद पूर्णिमा, भद्रा 20-41 से, कोजागरी व्रत, विश्व खाद्य दि., पंचक, मारवाड़ उत्सव प्रा.(जोधपुर)	**23** ७ — पुनर्वसु 30-15, रवियोग, कर्क चन्द्र 24-02, भद्रा 13-18 तक, रा.कार्तिक प्रा., हेमंत ऋतु प्रा., कार्तिक कृ.सप्तमी	**30** १३ — हस्त 21-44, मास शिवरात्रि, भद्रा 13-16 से 26-36 तक, वैधृति पुण्य, यम पूजा, हनुमत पू., नरक रूप चतुर्दशी, धन्वंतरी ज., हनुमान ज.(उ.भा.)	18 .... 19 .... 20 .... 21 .... 22 .... 23 ....
गुरूवार Thursday जुम्मेरात		**3** १ — हस्त 15-32, मातामह श्राद्ध, तुला चन्द्र 29-06, शारदीय नवरात्रा प्रा., अग्रसेन ज., घट स्थापना, आश्विन शु.प्रतिपदा	**10** ७ — पूर्वाषाढ 29-41, सरस्वती,महालक्ष्मी पू., दुर्गा पूजन प्रा.(बं.), भा.डाक दि., भद्रा 12-32 से 24-25 तक, महासप्तमी, आश्विन शु.सप्तमी	**17** १५ — रेवती 16-20, जैन ओली पू., मेष चन्द्र 16-20, पंचक 16-20 तक, शरद प्र.(धौलपुर), कार्तिक स्नान प्रा., तुला संक्रा., वाल्मिकी ज., भद्रा 6-49 तक, मारवाड़ उत्सव पू.(जोधपुर)	**24** ८ — पुष्य 31-40, अहोई अष्टमी, संयुक्त राष्ट्र दिवस, गुरु पुष्य योग, राधाकुंड स्नान(मथुरा), अंजोदय काल में, कालाष्टमी, चंद्रोदय 24-08	**31** १४ — चित्रा 24-44, इंदिरा गांधी पु.दि., सरदार पटेल ज., तुला चन्द्र 11-15, सरकारी नरकचतुर्दशी, संकल्प दि., कार्तिक कृ.चतुर्दशी	24 .... 25 .... 26 .... 27 .... 28 .... 29 ....
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)		**4** २ — चित्रा 18-38, वि.पशु दिवस, राजयोग 18-38 तक, चन्द्रदर्शन, आमेर शिला महोत्सव (दौसा), वैधृति पुण्य, आश्विन शु.द्वितीया	**11** ८ — उत्तराषाढ 29-25, सरस्वती बलिदान, मकर चन्द्र 11-41, महाष्टमी, महानवमी, मे.ज्वालामुखी(हि.प्र.), मत्स्य उत्सव प्रा., दुर्गाष्टमी, मे.दशहरा प्रा.(कोटा)	**18** १ — अश्विनी 13-26, सर्वार्थसिद्धियोग, राजयोग 13-26 से, अशून्य शयन व्रत, कुमारयोग 13-26 तक, कार्तिक कृ.प्रतिपदा	**25** ९ — पुष्य 7-40, गु.हरिराय पु.दि.(प्रा.मत), कार्तिक कृ.नवमी	दीपावली पर्व निर्णय- इस वर्ष कार्तिक कृष्ण अमावस्या तिथि 31 अक्टूबर को सायं 3-54 से 1 नवम्बर को सायं 6-17 तक है, यद्यपि दोनो दिन प्रदोष काल के समय अमावस्या तिथि होने से दीपावली पर्व शास्त्रानुसार दूसरे दिन अर्थात 1 नवं. को ही मनाना चाहिये, लेकिन कुछ स्थानों पर सूर्यास्त के समय में अंतर होने से 1 नवं. को प्रदोष काल के समय प्रतिपदा तिथि होने से दीपावली पर्व 31 अक्टूबर को मनाया जायेगा। विस्तृत विवेचन हेतु "जय मार्तण्ड पंचांग" देखें।	30 .... 31 .... दुकान की छुट्टी व समय छूट: 12. व 13. दशहरा (दो दिन); 17. से 30.अक्टू.मे.शरद(धौल.); 29. से 3. नवबंर दीपावली; समय परिवर्तन: 16. अक्टूबर से प्रातः 9-30 बजे से सायं 7-30 बजे तक।
शनिवार Saturday शनीचर		**5** ३ — स्वाति 21-33, तुला चन्द्र, रवियोग 21-33 तक, आमेर शिला महोत्सव, सर्वार्थसिद्धियोग, प्रवृत्ति उल सानि प्रा., आश्विन शु.तृतीया	**12** ९ — श्रवण 28-27, सर्वार्थसिद्धियोग, सरस्वती विसर्जन, नवरात्रा पूर्ण, हरि ज., अपराजिता,शमी पू., आयुध पूजा, द्वि.शनिवार, विजयादशमी,दशहरा	**19** २ — भरणी 10-46, गु.रामदास ज.(प्रा.मत), वृष चन्द्र 16-10, भद्रा 20-14 से, कार्तिक कृ.द्वितीया	**26** १० — अश्लेषा 9-46, सिंह चन्द्र 9-46, भद्रा 16-20 से 29-24 तक, कार्तिक कृ.दशमी		स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त: 12. शनि- दशहरा; 29. मंगल- धनतेरस। प्रारब्ध पहले रचा,पीछे रचा शरीर। तुलसी चिंता क्यों करे,भज ले श्री रघुवीर॥

नोट: कृपया सही जानकारी के लिए "किशोर जंत्री (पंचांग)" ही खरीदें, मिलते-जुलते नाम से बचें- सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

राजस्थान सरकार की छुट्टियां	राजस्थान में बैंक की छुट्टियां	हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियां	शिक्षा विभाग की छुट्टियां	भारत सरकार की छुट्टियां
2. महात्मा गांधी जयन्ती	2. महात्मा गांधी जयन्ती	2. महात्मा गांधी जयन्ती	1. विद्यालय समय परिवर्तन	2. महात्मा गांधी जन्म दिवस
3. नवरात्रा स्थापना/अग्रसेन जयंती	3. नवरात्रा स्थापना	3. नवरात्रा स्थापना	2. गांधी व शास्त्री जयन्ती (उत्सव)	10. महासप्तमी (ऐच्छिक)
11. दुर्गाष्टमी/महाष्टमी	12. विजया दशमी(दशहरा) 31.दीपावली	10. से 12. दशहरा अवकाश	3. नवरात्रा स्थापना (अवकाश)	11. महाष्टमी/ महानवमी (ऐच्छिक)
11. महानवमी (ऐच्छिक)	विचारणीय बिंदु- यहाँ इस जगह, स्थान, पद, संसार से जाना निश्चित है? कब और कहाँ जायेंगे? पता नहीं; जायेंगे तब क्या ले जायेंगे? यथा - "आये है सो जायेंगे, राजा रंक फकीर। एक सिंहासन चढ़ चले, एक बंधे जंजीर।"	29. अक्टू. से 3. नवं. दीपावली अवकाश	11. दुर्गाष्टमी (अवकाश)	12. विजया दशमी
12. विजया दशमी (दशहरा)		नोट:- संभवतः विभाग पूर्व घोषित दीपावली अवकाश 31 अक्टूबर के स्थान पर 1 नवम्बर कर सकते है। कृपया विभागीय गजट देखें।	11. अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस (उत्सव)	17. वाल्मिकी जयन्ती (ऐच्छिक)
20. करवा चौथ (ऐच्छिक) 31.दीपावली			12. दशहरा (अव.) 16.से 18. द्वि.परख	20. करवा चौथ (ऐच्छिक)
नोट- दि. 2 अक्टूबर को कंकण सूर्यग्रहण भारत में दृश्य न होने से ग्रहण और सूतक भारत में मान्य नहीं होंगे।			24. संयुक्त राष्ट्र दिवस (उत्सव)	31. नरक चतुर्दशी (ऐच्छिक)
			26. अक्टू.से 6. नव. तक मध्यावधि अव.	31. दीपावली
			31. इन्दिरा गांधी पु.दि.(संकल्प दिन)	

अभिजित मुहूर्त:- सूर्योदय व सूर्यास्त के मध्याह्न में 24 मिनट पूर्व व 24 मिनट बाद का समय अभिजित मुहूर्त होता है। इसमें किये सभी कार्य सिद्ध होते है।

अधिकृत थोक विक्रेता - ईश्वर लाल बुकसेलर
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोनः 0141-2575532
प्रकाशक - किशोरी शरण एण्ड संस

श्री शनि का जप मंत्र :- ॐ शं शनैश्चराय नमः।। ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शं शनैश्चराय नमः ॥ (सौभाग्य लक्ष्मी का जप मंत्रः- ॐ श्रीं श्रियै नमः ॥)

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादकः अशोक अग्रवाल

कापी राईट नं L- 23018/2023

सरकारी छुट्टियों सहित

प्रकाशक : किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

(10 कार्तिक से 9 मार्गशीर्ष शाक: 1946)
(28 रवि उल सानि से 27 जमादि उल अव्वल हि.सन् 1446)

नवम्बर 2024

(कार्तिक कृष्ण ३० से मार्गशीर्ष कृष्ण १४ तक)
(विक्रम संवत् २०८१, हेमन्त ऋतु, सूर्य दक्षिणायने)

वार					
रविवार **Sunday** इतवार (सूर्य)	शुभ विवाह मुहूर्त 13,14,17,18,22,23,24, 25,26,27 नवंबर गृहारंभ (नींव) मुहूर्त 4,7,8,18,21,25,28 नवंबर जीर्ण गृह प्रवेश मुहूर्त 4,7,8,18,21,25,27,28,29	३० अनुराधा 32-04 राजयोग दिनरात विश्वकर्मा दिवस, चक्रदर्शन, भाईदूज **3** २ चित्रगुप्त पूजा, कलम दवात पू.(बि.) यम द्वितीया कार्तिक शु.द्वितीया	८ धनिष्ठा 10-59 कृत् युगादि श्री हरि ज., पंचक, मथुरा प्रदक्षिणा, रवियोग **10** ९ अक्षय,कुष्माण्ड नवमी, रंगनाथ ज. आंवला नवमी कार्तिक शु.नवमी	१५ रोहिणी 17-22 रोहिणी व्रत (जैन) मिथुन चन्द्र 28-31, त्रिपुष्करयोग **17** २ अशून्य शयन व्रत, लाला लाजपतराय पु.दि. मार्गशीर्ष कृ.द्वितीया	२१ पूर्वाफाल्गुन 22-16 सर्वार्थसिद्धियोग कन्या चन्द्र 29-02 **24** ९ गु.तेग बहादुर पु.दि. (न.मत) वैधृति पुण्यं मार्गशीर्ष कृ.नवमी
सोमवार **Monday** पीर (चन्द्र)	उग्र देव प्रतिष्ठा मुहूर्त 3,4,6,7,8,9,14,17,18, 20,21,23,25,27,28 नवं. व्यापार प्रारंभ मुहूर्त 3,4,7,8,13,14,17,18,20 21,25,27,28 नवंबर प्रसूति स्नान मुहूर्त 3,14,17,26,28 नवंबर	१ अनुराधा 8-04 रवियोग 8-04 से मु.जमादि उल अव्वल प्रा. **4** ३ सर्वार्थसिद्धियोग 8-04 तक कार्तिक शु.तृतीया	९ शतभिषा 9-40 भीष्म पंचक प्रा. मीन चन्द्र 26-21, कुमारयोग **11** १० भद्रा 29-29 से पंचक कार्तिक शु.दशमी	१६ मृगशिर 15-49 बूंदी महोत्सव प्रा. अमृतसर्वार्थसिद्धियोग, चंद्रोदय 19-47 **18** ३ भद्रा 7-57 से 18-56 तक चतुर्थी व्रत सौभाग्य सुंदरी व्रत	२२ उत्तराफाल्गुन 25-24 मत्स्य महोत्सव प्रा. महावीर तप कल्याणक दि.(जैन) **25** १० भद्रा 11-40 से 25-02 तक कुमारयोग मार्गशीर्ष कृ.दशमी
मंगलवार **Tuesday** मंगल (भौम)	स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त 1. शुक्र- दीपावली 12. मंगल- देव उठनी एका. दीपावली पूजन समय 1 नवंबर को प्रदोष काल में अमावस्या होने से इसी दिन दीपावली मनाई जायेगी।	२ ज्येष्ठा 9-45 कुमारयोग दुर्गा गणपति व्रत, धनु चन्द्र 9-45, रवियोग **5** ४ भद्रा 11-54 से 24-17 तक विनायक चतुर्थी डाला छठ् व्रत प्रा.3दिन(बि.)	११ पूर्वाभाद्र 7-52 उत्तराभाद्र 29-40 तुलसी विवाह प्रा., पंढरपुर यात्रा, पंचक **12** ११ अमृतसर्वार्थसिद्धियोग, भद्रा 16-05 तक रवियोग देवउठनी एका.व्रत	१७ आर्द्रा 14-56 इंदिरा गांधी ज. यमघंट 14-56 तक **19** ४ कुमारयोग 17-28 से मार्गशीर्ष कृ.चतुर्थी	२३ हस्त 28-34 मत्स्य महोत्सव पू. पद्म प्रभु मोक्ष दि., राजयोग **26** ११ उत्पन्ना(वैतरणी)एका.व्रत (स्मा.,वैष्ण.) संविधान दि. मार्गशीर्ष कृ.एकादशी
बुधवार **Wednesday** बुध	लक्ष्मी पूजन समय- प्रदोष काल-सायं 5-40 से 8-14 तक, वृष लग्न- सायं 6-31 से रात्रि 8-28 तक, सिंह लग्न-मध्य रात्रिबाद 1-01 से 3-17 बजे तक। चौघड़िया मुहूर्त- लाभ का चौघड़िया सायं 8-57 से 10-34 बजे	३ मूल 11-00 रवियोग 11-00 तक पाडव,ज्ञान पंचमी, यमघंट योग **6** ५ गु.गोविंद सिंह पु.दि. (प्रा.मत) सौभाग्य पंचमी कार्तिक शु.पंचमी	१२ रेवती 27-11 हरिवासरा ऽभाव मेष चन्द्र 27-11, रवियोग,मन्वादि **13** १२ बैकुंठ चतुर्दशी व्रत, कालिदास ज. प्रदोष व्रत पंचक 27-11 तक	१८ पुनर्वसु 14-50 बूंदी महोत्सव पू. कर्क चन्द्र 8-47 **20** ५ सुविधिनाथ ज.(जैन), दीक्षा दि.(जैन) मार्गशीर्ष कृ.पंचमी	२४ चित्रा 31-36 राजयोग तिथिवासर 10-27 तक, तुला चन्द्र 18-07 **27** १२ उत्पन्ना(वैतरणी)एका. व्रत(निम्बा.) मार्गशीर्ष कृ.द्वादशी
गुरूवार **Thursday** जुम्मेरात	तक। शुभ, अमृत व चर का चौघड़िया- मध्यरात्रि 12-10 से 5-02 बजे तक। सबसे उत्तम समय- सायं 6-40 से 6-52 बजे तक, जिसमें कुंभ नवांश सहित प्रदोष काल व वृष लग्न भी रहेगा।	४ पूर्वाषाढ 11-47 सूर्य षष्ठी व्रत पू. मकर चन्द्र 17-54, रवियोग **7** ६ डाला छठ् अस्तगामी (बिहार) कार्तिक शु.छठ	१३ अश्विनी 24-33 ॥बैकुंठ चतुर्दशी मे.चंद्रभागा प्र.(3दिन), राधावल्लभ पाटोत्सव, प.नेहरू ज. **14** १३-१४ वि.मधुमेह दि.,बाल दि., भद्रा 30-19 से काशी विश्वनाथ प्रतिष्ठा दि.	१९ पुष्य 15-35 रवियोग अमृतसर्वार्थसिद्धियोग **21** ६ गुरु पुष्य योग, भद्रा 17-03 से 29-30 तक छींट छठ मार्गशीर्ष कृ.छठ	२५ चित्रा 7-36 प्रदोष व्रत **28** १३ म.ज्योतिराव फूले पु.दि. मार्गशीर्ष कृ.त्रयोदशी
शुक्रवार **Friday** जुम्मा (भृगु)	२९ स्वाति 27-31 देवपितृकार्य अमा. महालक्ष्मी,महाकाली पू., केदार गौरी व्रत (द.भा.) **1** ३० महावीर स्वामी निर्वाण दि., दीपावली कमला ज. कार्तिक कृ.अमावस्या	५ उत्तराषाढ 12-03 जलाराम ज. सर्वार्थसिद्धियोग, रवियोग **8** ७ डाला छठ् उदयगामी, भद्रा 23-57 से कल्पादि अष्टान्हिका महापर्व प्रा.(जैन)	१४ भरणी 21-55 मे.पुष्कर पू. वृष चंद्र 27-17, देव दीपावली, सत्यव्रत,केदार व्रत(उ.), तुलसी विवाह पू. **15** १५ कार्तिक स्वामी दर्शन, भद्रा 16-38 तक, गु.नानक ज. व्यतिपात पुण्यं कार्ति.स्नान,भीष्म पंचक पू.	२० अश्लेषा 17-10 भारतीय मार्गशीर्ष प्रा. सिंह चन्द्र 17-10 **22** ७ रवियोग 17-10 तक मार्गशीर्ष कृ.सप्तमी	२६ स्वाति 10-18 संत ज्ञानेश्वर पु.दि. वृश्चिक चंद्र 30-03 **29** १३ भद्रा 8-40 से 21-39 तक मास शिवरात्रि मार्गशीर्ष कृ.त्रयोदशी
शनिवार **Saturday** शनीचर	३० विशाखा 29-58 त्रिपुष्कर योग वृश्चिक चंद्र 23-23, बलिराज पू. **2** १ गोवर्धन पूजा,अन्नकूट, जैन संवत् 2551 प्रा. कार्तिक शुक्लादि कार्तिक शु.प्रतिपदा	६ श्रवण 11-47 गोपाष्टमी कुंभ चन्द्र 23-28, सर्वार्थसिद्धियोग **9** ८ मे.पुष्कर प्रा.(अजमेर), भद्रा 11-25 तक, द्वि.शनिवार दुर्गाष्टमी पंचक 23-28 से	१५ कृतिका 19-28 वृश्चिक संक्रांति, मे.चंद्रभागा पू. **16** १ अमृतसर्वार्थसिद्धियोग मार्गशीर्ष कृ.प्रतिपदा	२० मघा 19-27 मे.जयगढ़ प्रथमाष्टमी(उ.) **23** ८ श्री कालभैरव ज. कालाष्टमी मार्गशीर्ष कृ.अष्टमी	२८ विशाखा 12-34 श्री बाला ज. पितृकार्य अमा. **30** १४ मे.पुरमंडल(काश्मीर) मार्गशीर्ष कृ.चतुर्दशी

ता. याददास्ती

1 ...... 2 ...... 3 ...... 4 ...... 5 ...... 6 ...... 7 ...... 8 ...... 9 ...... 10 ...... 11 ...... 12 ...... 13 ...... 14 ...... 15 ...... 16 ...... 17 ...... 18 ...... 19 ...... 20 ...... 21 ...... 22 ...... 23 ...... 24 ...... 25 ...... 26 ...... 27 ...... 28 ...... 29 ...... 30 ......

दुकान की छुट्टी व समय छूट
9. से 15. मे.पुष्कर (अजमेर)

चार वेद षट् शास्त्र में, बात मिली है दोय। दु:ख दीने दु:ख होत है, सुख दीने सुख होय॥

ग्रह के अनुसार रत्न- सूर्य- माणक, चंद्र- मोती, मंगल- मूंगा, बुध- पन्ना, गुरू- पुखराज, शुक्र- हीरा शनि- नीलम, राहु- गोमेदक, केतु- लहसुनिया।

नोट: कृपया सही जानकारी के लिए "किशोर जंत्री (पंचांग)" ही खरीदें, मिलते-जुलते नाम से ...

राजस्थान सरकार की छुट्टियाँ	राजस्थान में बैंक की छुट्टियाँ	हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियाँ	शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ	भारत सरकार की छुट्टियाँ
2. गोवर्धन पूजा 3. भाई दूज 15. गुरू नानक जयंती	2. गोवर्धन पूजा 15. गुरू नानक जयंती	15. गुरू नानक जयंती	26. अक्टू. से 6. नवं. दीपावली अवकाश 11. राष्ट्रीय शिक्षा दिवस (उत्सव) 13. कालिदास जयंती (उत्सव) 14. बाल दिवस (उत्सव) 15. नानक जयन्ती (अवकाश) 19. इंदिरा गांधी जयंती (उत्सव) 26. संविधान दिवस (उत्सव)	2. अन्नकूट, गोवर्धन पूजा (ऐच्छिक) 3. भाई दूज (ऐच्छिक) 7. छठ् पूजा, सूर्य छठ् (ऐच्छिक) 15. गुरू नानक जयंती 24. गुरू तेग बहादुर पु. दि. (ऐच्छिक)

HAPPY DEEPAWALI

सुख समृद्धिदायक मंत्रः- कराग्रे वसते लक्ष्मी:,कर मध्ये सरस्वती। कर मूले स्थितो ब्रह्मा:, प्रभाते कर दर्शनम्॥ प्रात: काल आँख खुलते ही अपनी दोनों हथेलियों को देखते हुये मन में उपर्युक्त मंत्र का उच्चारण करना चाहिये। इसके बाद पैर जमीन पर रखने से पूर्व नीचे लिखे मंत्र को बोलकर धरती माता को प्रणाम करना चाहिये। मंत्र:- समुद्रवसने देवि पर्वतस्तन मण्डले। विष्णु पत्नि नमस्तुभ्यं, पादस्पर्श क्षमस्व मे॥

राशि के अनुसार रत्न
मेष- मूंगा, वृष- हीरा, मिथुन- पन्ना, कर्क- मोती, सिंह- माणक, कन्या- पन्ना, तुला- हीरा, वृश्चिक- मूंगा, धनु- पुखराज, मकर- नीलम, कुंभ- नीलम, मीन- पुखराज। माणक, पन्ना, पुखराज व मूंगा को स्वर्ण की एवं हीरा, मोती रत्न को चांदी की अंगूठी में शेष रत्न सप्त धातु में पहनें।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री गोपाल सहस्त्रनाम एवं श्री सुक्त का पाठ करने से श्री वृद्धि एवं घर में सुख शांति का वातावरण बनता है,अत: इनका नियमित पाठ करना चाहिये।

अधिकृत थोक विक्रेता :- **ईश्वर लाल बुकसेलर**

सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोन: 0141-2575532

प्रकाशक:- **किशोरी शरण एण्ड संस**

श्री राहु का जप मंत्र :- ॐ रां राहवे नमः ।। ॐ गुरू ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः ॥ (इस मंत्र से प्रेत बाधा दूर होती है और पागल को भी नींद आ जाती है।)

Composing By: Sawank

किशोर जंत्री (पंचांग)®

सम्पादक:
अशोक अग्रवाल

कापी राईट नं. L-123018/2023

सरकारी छुट्टियों सहित

प्रकाशक :
किशोरी शरण एण्ड संस, जयपुर

(10 मार्गशीर्ष से 10 पौष शाक: 1946)
(28 जमादि उल अव्वल से 29 जमादि उल सानि हि.सन् 1446)

दिसम्बर 2024

(मार्गशीर्ष कृष्ण ३० से पौष कृष्ण १ तक)
(वि.सं.२०८१, हेमंत-शिशिर ऋतु, सूर्य दक्षिण-उत्तरायणे)

वार					
रविवार Sunday इतवार (सूर्य)	२८ अनुराधा 14-24 देवकार्य अमा. विश्व एड्स दि. प्रा.(अश्वि.) कुम्भलगढ़ महोत्सव **1** ३० मार्गशीर्ष कृ.अमावस्या	५ शतभिषा 16-03 नरसी मेहता ज. पंचक भद्रा 9-45 से 20-56 तक **8** ७ भानु सप्तमी मार्गशीर्ष शु.सप्तमी	१२ मृगशिर 26-20 धनु मल मास प्रा. अन्नपूर्णा ज. सरदार पटेल पु.दि. मिथुन चन्द्र 15-04 धनु संक्रान्ति राजयोग **15** १५ सत्यव्रत मार्गशीर्ष शु.पूर्णिमा	२० उत्तराफाल्गुन 33-09 रा.पौष प्रा. रा.गणित दि. सर्वार्थसिद्धियोग रामानुजन ज. कन्या चन्द्र 12-56 **22** ७ कालाष्टमी रणकपुर महोत्सव पू.	२८ ज्येष्ठा 23-22 सर्वार्थसिद्धियोग भद्रा 15-52 तक शरद उत्सव प्रा.(मा.आबू) धनु चन्द्र 23-22 **29** १४ मास शिवरात्रि पौष कृ.चतुर्दशी
सोमवार Monday पीर (चन्द्र)	२९ ज्येष्ठा 15-45 चन्द्रदर्शन धनु चन्द्र 15-45 रूद्रव्रत (पीड़िया व्रत) **2** १ मार्गशीर्ष शु.प्रतिपदा	८ पूर्वाभाद्र 14-56 पंचक मीन चन्द्र 9-15 रवियोग कल्याणी दि. डॉ.राजगोपालाचार्य ज. श्री हरि ज. **9** ८-९ दुर्गाष्टमी महानन्दा नवमी	१६ आर्द्रा 25-13 पौष मास प्रा. रसिक माधुरी ज. **16** १ पौष कृ.प्रतिपदा	२१ उत्तराफाल्गुन 9-09 किसान दि. चौ.चरण सिंह ज. विज सागर पु.दि. **23** ८ पौष कृ.अष्टमी	२८ मूल 23-57 बकुला अमा.(उ.) देवपितृकार्य अमा. कलवा देवी यात्रा **30** ३० सोमवती अमा. शरद उत्सव पू.(मा.आबू)
मंगलवार Tuesday मंगल (भौम)	३० मूल 16-42 राजयोग मु.जमादि उल सानि प्रा. डॉ.राजेन्द्र प्रसाद ज. कुम्भलगढ़ महोत्सव पू. वि.विकलांग दि. **3** २ मार्गशीर्ष शु.द्वितीया	८ उत्तराभाद्र 13-30 व्यतिपात पुण्य सर्वार्थसिद्धियोग रवियोग वि.मानवाधिकार दि. **10** १० पंचक मार्गशीर्ष शु.दशमी	१७ पुनर्वसु 24-44 त्रिपुष्करयोग कर्क चन्द्र 18-47 भद्रा 22-26 से **17** २ राजयोग पौष कृ.द्वितीया	२४ हस्त 12-17 क्रिसमस ईव तुला चन्द्र 25-51 रा.उपभोक्ता दि. **24** ९ पौष कृ.नवमी	२९ पूर्वाषाढ 24-03 मकर चन्द्र 30-01 नव वर्ष पूर्व संध्या **31** १ त्रिपुष्करयोग पौष शुक्ल प्रतिपदा
बुधवार Wednesday बुध	२ पूर्वाषाढ 17-15 रवियोग मकर चन्द्र 23-20 नौ सेना दिवस राजयोग 13-11 तक भद्रा 25-03 से **4** ३ मार्गशीर्ष शु.तृतीया	९ रेवती 11-48 गीता ज. मोक्षदा एका.व्रत(स्मा.वै.) मेष चन्द्र 11-48 भद्रा 14-28से25-10तक कुमारयोग,रवियोग **11** ११ मौनी एका. पंचक 11-48 तक	१५ पुष्य 24-58 राजयोग सौभाग्य सुंदरी व्रत वृद्धियोग 20-40 भद्रा 10-06 तक **18** ३ चतुर्थी व्रत पौष कृ.तृतीया	२३ चित्रा 15-22 ईसा जयंती पं.मालवीय ज. पार्श्वनाथ ज. भद्रा 9-13से22-29तक क्रिसमस दिवस **25** १० बड़ा दिन पौष कृ.दशमी	शुभ विवाह मुहूर्त 2,4,5,6,7,11,12,14 दिसं. गृहारंभ (नींव) मुहूर्त 5, 7, 11, 12 दिसम्बर प्राचीन गृह प्रवेश मुहूर्त 5,6,7,11,14 दिसम्बर उग्रदेव पूजन मुहूर्त
गुरूवार Thursday जुम्मेरात	३ उत्तराषाढ 17-26 विनायक चतुर्थी रवियोग 17-26 तक भद्रा 12-50 तक **5** ४ मार्गशीर्ष शु.चतुर्थी	१० अश्विनी 9-52 भरणी दीपम् मोक्षदा एका.व्रत (निम्बा.) अखंड,व्यंजन द्वादशी दान द्वादशी (उ.) **12** १२ मत्स्य द्वादशी मार्गशीर्ष शु.द्वादशी	१८ अश्लेषा 26-00 सिंह चन्द्र 26-00 वैधृति पुण्यं **19** ४ पौष कृष्ण चतुर्थी	२४ स्वाति 18-09 सफला एका.व्रत मे.जोड़ प्रा.अश्वि(पं.) **26** ११ पौष कृ.एकादशी	6,7,11,12,13,15 दिसंबर व्यापार प्रारंभ मुहूर्त 5,11,12,15 दिसम्बर प्रसूति स्नान मुहूर्त 15,22,26 दिसंबर मानव कर्तव्य- सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, अस्तेय, चोरी नहीं करना, ब्रह्मचर्य का पालन।
शुक्रवार Friday जुम्मा (भृगु)	४ श्रवण 17-18 पंचक29-07से कुम्भ चन्द्र 29-07 सर्वार्थसिद्धियोग कुमारयोग श्री राम जानकी विवाह नाग पंचमी (द.भा.) रवियोग **6** ५ स्कंध षष्ठी व्रत गु.तेग बहादुर पु.दि.(प्रा.मत)	११ भरणी 7-50 कृत्तिका 29-48 अमृतसर्वार्थसिद्धियोग वृष चन्द्र 13-19 प्रदोष व्रत रवियोग,सम्पर्कयोग कृत्तिका दीपम **13** १३ मार्गशीर्ष शु.त्रयोदशी	१८ मघा 27-47 कुमारयोग रवियोग 27-47 से **20** ५ पौष कृष्ण पंचमी	२५ विशाखा 20-28 राजयोग 20-28 से वृश्चिक चन्द्र 13-57 सर्वार्थसिद्धियोग **27** १२ पौष कृ.द्वादशी	पचामृत- दूध, दही, घी, शहद, चीनी। पंचगव्य- गोबर, गौमूत्र, दूध, घी, दही। पंचदेव- सूर्य, गणेश, शिव, शक्ति, विष्णु।
शनिवार Saturday शनीचर	५ धनिष्ठा 16-50 रवियोग भद्रा 11-06 से झंडा दिवस चंपा षष्ठी (महाराष्ट्र) श्री राम कलेवा पंचक **7** ६ मित्र सप्तमी मार्गशीर्ष शु.छठ	१२ रोहिणी 27-54 संभवनाथ ज. दत्तात्रेय ज. भैरव अमृतसर्वार्थसिद्धियोग भद्रा 16-59से27-43तक मिथुन दान पु.व्रत **14** १४ द्वि.शनिवार रोहिणी व्रत (जैन)	१९ पूर्वाफाल्गुन 30-14 शिशिर ऋतु प्रा. राजयोग मेवाड़ महोत्सव प्रा. भद्रा 12-21 से 25-23 तक **21** ६ त्रिपुष्करयोग पौष कृष्ण छठ	२६ अनुराधा 22-13 शनि प्रदोष व्रत मे.जोड़ पू.(पं.) भद्रा 27-33 से **28** १३ पौष कृ.त्रयोदशी	पंचपल्लव(पत्ता)- पीपल, आम,गूलर, बड़, अशोक। सप्तधान्य- जौ, गेहूं, चावल, तिल, कांगनी, उड़द,मूंग। दसमहादान- गौ,भूमि,तिल, गुड़,घी,स्वर्ण,वस्त्र,धान्य, चांदी,लवण।

ता. याददास्ती

1 .... 2 .... 3 .... 4 .... 5 .... 6 .... 7 .... 8 .... 9 .... 10 .... 11 .... 12 .... 13 .... 14 .... 15 .... 16 .... 17 .... 18 .... 19 .... 20 .... 21 .... 22 .... 23 .... 24 .... 25 .... 26 .... 27 .... 28 .... 29 .... 30 .... 31 ....

दुकान की छुट्टी व समय छूट
24. व 25. क्रिसमस दिवस

रूद्राक्ष माला से शिव, कार्तिकेय, गायत्री, दुर्गा, पार्वती, गणेश, तुलसी माला से राम, कृष्ण, वामन, नृसिंह, हल्दी माला से बगलामुखी देवी, कमलगट्टा माला से लक्ष्मी जी, स्फटिक माला से दुर्गा, सरस्वती, गणेश जी के मंत्रों का जाप करना चाहिये।

नोट: कृपया सही जानकारी के लिए "किशोर जंत्री (पंचांग)" ही खरीदें। मिलते ...

राजस्थान सरकार की छुट्टियाँ	राजस्थान में बैंक की छुट्टियाँ	हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट की छुट्टियाँ	भारत सरकार की छुट्टियाँ	शिक्षा विभाग की छुट्टियाँ
25. क्रिसमस दिवस 25. पार्श्वनाथ जयंती (ऐच्छिक)	25. क्रिसमस दिवस	25. क्रिसमस दिवस 23. से 31. शीतकालीन अव.(हाईकोर्ट) 25. से 31. शीतकालीन अव.(सिविल)	24. क्रिसमस ईव (ऐच्छिक) 25. क्रिसमस दिवस	1. विश्व एकता दिवस (उत्सव) 10. मानवाधिकार दिवस (उत्सव) 11. से 23. अर्द्धवार्षिक परीक्षा 25. क्रिसमस दिवस 25. से 31. शीतकालीन अवकाश

रामचरितमानस के सिद्ध मंत्र- (1) विवाह हेतु- तब जनक पाइ बसिष्ठ आयसु ब्याह साजि सँवारि कै। मांडवी श्रुतकीरति उरमिला कुअँरि लईं हँकारि कै॥ **(2) दरिद्रता निवारण हेतु-** अतिथि पूज्य प्रियतम पुरारि के। कामद धन दारिद दवारि के॥ **(3) शत्रुता निवारण हेतु-** बयरु न कर काहू सन कोई। राम प्रताप बिषमता खोई॥ **(4) विपत्ति निवारण हेतु-** राजिवनयन धरें धनु सायक। भगत बिपति भंजन सुखदायक। उक्त सिद्ध मंत्रों का कार्य विशेष की सिद्धि तक निरंतर जाप करना चाहिये।

यात्रा में स्वर संबंधी नियम- स्वरोदय विज्ञान के नियमानुसार नासिका की श्वास प्रक्रिया को ध्यान में रखकर कोई भी कार्य किया जाये तो उसमें सफलता मिलने की संभावना अधिक हो जाती है। नासिका के दाहिने छिद्र से चलने वाले श्वास को सूर्य स्वर एवं बायें छिद्र से चलने वाले श्वास को चन्द्र स्वर कहते है। स्वरोदय विज्ञान के अनुसार सूर्य पश्चिम व दक्षिण दिशा में रहता है। अतः सूर्य स्वर में पश्चिम एवं दक्षिण की व चन्द्र स्वर में पूर्व एवं उत्तर दिशा की यात्रा वर्जित मानी गयी है। सूर्य स्वर चलने पर दाहिना पैर व चन्द्र स्वर चलने पर बायां पैर आगे बढ़ाकर यात्रा करना शुभ फलदायक माना गया है।

MARRY CRISTMAS

अधिकृत थोक विक्रेता - **ईश्वर लाल बुकसेलर**
सभी प्रकार की धार्मिक, ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड की पुस्तकों के थोक विक्रेता
220, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर-2, फोन: 0141-2575532
प्रकाशक: **किशोरी शरण एण्ड संस**

श्री केतु का जप मंत्र :- ॐ कें केतवे नमः।। (काम, क्रोध, मद, अहंकार, लोभ, मोह, ईर्ष्या, द्वेष से विवेक व स्मरण शक्ति का नाश होता है।)

Composing By: Saurabh